बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन : 100

सामाजिक विज्ञान
(कक्षा–10)

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

Created by Universal Document Converter

संयोजक कार्यालय – संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन - 100 मार्गदर्शक

अनुसूया सिंह

संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

महेन्द्र सिंह बड़सरा

संभागीय कॉर्डिनेटर शेखावाटी मिशन 100
संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

रामावतार भदाला

तकनीकी सहयोगी शेखावाटी मिशन 100

संकलनकर्त्ता टीम : सामाजिक विज्ञान

मालीराम जाट
रा.उ.मा.वि. रामजीपुरा
(दांतारामगढ़)

होलास सिंह
रा.उ.मा.वि. श्यामपुरा,
धोद (सीकर)

विक्रम सिंह हरितवाल
रा.उ.मा.वि. मंडा, मदनी
(सीकर)

प्रदीप सिंह शेखावत
रा.उ.मा.वि. तारपुरा
पिपराली (सीकर)

सुभाष चंद शर्मा
रा.उ.मा.वि. कांकरा,
दांतारामगढ़

झिन्डू राम कस्वां
रा.उ.मा.वि. पंड्रेउ ताल,
तारानगर (चूरू)

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

Created by Universal Document Converter

प्रश्न–पत्र की योजना 2023–24

कक्षा – 10^{th}
विषय – सामाजिक विज्ञान
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	32	40
2.	अवबोध	38	47.5
3.	ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति	6	7.5
4.	कौशल/मौलिकता	4	5
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	15	1	15	18.75	29.41	22
2.	रिक्त स्थान	7	1	7	8.75	13.72	14
3.	अतिलघुत्तरात्मक	10	1	10	12.50	19.61	30
4.	लघुत्तरात्मक	12	2	24	30.00	23.53	42
5.	दीर्घउत्तरीय	4	3	12	15.00	7.84	36
6.	निबंधात्मक	3	4	12	15.00	5.89	51
	योग	51		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभर	प्रतिशत
1	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	4	5
2	भारत में राष्ट्रवाद	4	5
3	भूमण्डलीकृत विश्व का बनना	4	5
4	औधगीकरण का युग	4	5
5	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	4	5
6	संसाधन और विकास	3	3.75
7	वन और वन्यजीव संसाधन	2	2.5
8	जल संसाधन	3	3.75
9	कृषि	3	3.75
10	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	4	5
11	विनिर्माण उधोग	2	2.5
12	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	3	3.75
13	सत्ता की साझेदारी	4	5
14	संघवाद	4	5
15	जाति धर्म और लैगिंक मसले	4	5
16	राजनीतिक दल	5	6.25
17	लोकतंत्र के परिणाम	3	3.75
18	विकास	3	3.75
19	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	5	6.25
20	मुद्रा और साख	5	6.25
21	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	5	6.25
22	उपभोक्ता अधिकार	2	2.5

Created by Universal Document Converter

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – 10 विषय :– सामाजिक विज्ञान पूर्णांक – 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति						कौशल / मौलिकता						योग
		वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय												4(1)*													4(1)
2	भारत में राष्ट्रवाद	1(1)		1(1)							2(1)															4(3)
3	भूमण्डलीयकृत विश्व का बनना	1(1)										3(1)*														4(2)
4	औधेगीकरण का युग		1(1)	1(1)				1(1)		1(1)																4(4)
5	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	1(1)	1(1)								2(1)															4(3)
6	संसाधन और विकास				2(1)			1(1)																		3(2)
7	वन और वन्यजीव संसाधन	1(1)								1(1)																2(2)
8	जल संसाधन								1(1)		2(1)															3(2)
9	कृषि											3(1)*														3(1)
10	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन																								4(1) *	4(1)
11	विनिर्माण उधोग	1(1)		1(1)																						2(2)
12	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ				2(1)			1(1)																		3(2)
13	सत्ता की साझेदारी	1(1)			2(1)					1(1)																4(3)
14	संघवाद							1(1)										3(1)*								4(2)
15	जाति धर्म और लैगिक मसले	1(1)			2(1)					1(1)																4(3)
16	राजनीतिक दल		1(1)					1(1)		1(1)	2(1)															5(4)
17	लोकतंत्र के परिणाम		1(1)		2(1)																					3(2)
18	विकास		1(1)								2(1)															3(2)
19	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	1(1)		1(1)														3(1)*								5(3)
20	मुद्रा और साख							1(1)					4(1)													5(2)
21	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था		1(1)		2(1)			1(1)		1(1)																5(4)
22	उपभोक्ता अधिकार				2(1)																					2(1)
	योग	8(8)	6(6)	4(4)	14 (7)			7(7)	1(1)	6(6)	10(5)	6(2)	8(2)					6(2)							4(1)	80(51)

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोटः– कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

हस्ताक्षर

Created by Universal Document Converter

अध्याय 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

कुल अंक-04 (निबंधात्मक प्रश्न -1, अंक -4)

प्रश्न 1. जर्मनी के एकीकरण को समझाइए।

उत्तर – एकीकरण से पूर्व जर्मनी विभिन्न राज्यों में विभाजित था। 1848 से पूर्व जर्मनी में राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ। परिणामस्वरूप जर्मनी एक नवीन राज्य के रूप में उदय हुआ।

1. **राष्ट्रीयता का विकास :** जर्मनी में मध्यम वर्ग के माध्यम से राष्ट्रीयता का विकास हुआ जिसने जर्मनी के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।
2. **विभिन्न क्रान्तियों का प्रभाव :** विभिन्न क्रान्तियों से प्रभावित होकर स्वतंत्र जर्मन राष्ट्र के निर्माण का लक्ष्य रखा। यह नया राष्ट्र स्वतंत्रता, समानता व संगठन निर्माण की विचारधारा पर आधारित था।
3. **बिस्मार्क का योगदान :** जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क ने प्रशा के नेतृत्व किया। बिस्मार्क ने प्रशा की सेना तथा नौकरशही को काम में लेकर अपनी रक्त लौह की नीति अपनाई तथा डेनमार्क, आस्ट्रिया तथा फ्रांस युद्ध लड़कर नवोदित राष्ट्र जर्मनी को स्थापित किया।
4. **विजयोत्सव :** 18 जनवरी, 1871 को बिस्मार्क ने नवस्थापित जर्मनी के संचालन हेतु प्रशा के राजा विलियम को सम्राट घोषित किया।

प्रश्न 2. रूमानीवाद से आप क्या समझते है? राष्ट्रीयता के विकास में योगदान लिखिए।

उत्तर – रूमानीवाद : यूरोप में राष्ट्रवाद के विकास में संस्कृति की भूमिका के कारण नयी सांस्कृतिक विचारधारा अस्तित्व में आयी जो रूमानीवाद कहलाती है। रूमानी कलाकार तथा कवियों ने सांझी संस्कृति के आधार पर नवीन राष्ट्र की परिकल्पना की।

रूमानीवाद का योगदान

1. लोक संस्कृति : रूमानी दार्शनिक का दावा था कि जर्मन संस्कृति सभी में विद्यमान है। अत: उन्होंने काव्य, संस्कृति, संगीत के माध्यम से प्रचार किया।
2. भाषा : सांस्कृतिक विकास में भाषा का योगदान महत्वपूर्ण है। प्रत्येक देश की अपनी भाषा होती है, जो सामाजिक, सांस्कृतिक तथा धर्मिक क्षेत्र में एक कड़ी का काम करती है।
3. संगीत : यूरोप के अनेक देशों में संगीत के माध्मय से भी राष्ट्रीयता की भावना का विकास किया। लोक नृत्यों को राष्ट्रीय प्रतीक में बदल दिया।

प्रश्न 3. 19वीं सदी में राष्ट्रों का विकास किस आधार पर हुआ?

उत्तर – राष्ट्रों का विकास विभिन्न प्रकार से हुआ तथा राष्ट्रीयता की भावना के कारण नवीन राष्ट्र की संकल्पना बनी।

जर्मनी राष्ट्र का विकास

1. **संसद :** 1848 में जर्मन संघ ने राष्ट्रीयता की भावना से प्रेरित होकर एक संसद का गठन किया जो फ्रेंकफर्ट संसद कहलाती है।
2. **बिस्मार्क की भूमिका :** बिस्मार्क ने प्रशा के नेतृत्व में जर्मनी के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। बिस्मार्क ने प्रशा की सेना व नौकरशाही के माध्यम से युद्ध लड़कर एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।
3. **विजयोत्सव :** 1871 में बिस्मार्क ने जर्मनी के शीशमहल विलियम प्रथम को सम्राट घोषित किया तथा नये राज्य में मुद्रा, बैंकिंग, कानूनी व्यवस्था लागू की गई।

इटली का विकास

1. मैजिनी का योगदान : इटली एकीकरण से पूर्व विभिन्न राज्यों में बंटा था। अत: मैजिनी ने 1831 में यंग इटली का निर्माण कर सार्डीनिया पीडमांट के नेतृत्व में एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।
2. कावूर का योगदान : यह सार्डीनिया का प्रधानमंत्री था। अत: इसके कुटनीतिक संधि के माध्यम से लोम्बार्डी प्रदेश प्राप्त किया।
3. गेरीबाल्डी का योगदान : यह महान क्रान्तिकारी था जिसने हजारों की संख्या में लोगों को एकत्र कर दक्षिणी इटली को शामिल किया।
4. विक्टर एम्यूनल का योगदान : यह सार्डीनिया का राजा था। इसे एकीकृत इटली का राजा बनाया गया। इसने 1866 में वेनेशिया को मिलाया।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 2

भारत में राष्ट्रवाद

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न-1, अंक-1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक-1, लघुत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक-2)

प्र. 1. महात्मा गाँधी ने प्रथम सत्याग्रह कहाँ किया?

(अ) चम्पारन (ब) साबरमती

(स) अहमदाबाद (द) दाण्डी (अ)

प्र. 2. रोलट एक्ट कब पारित हुआ?

(अ) 1919 (ब) 1917

(स) 1916 (द) 1918 (अ)

प्र. 3. साइमन कमीशन भारत कब आया?

(अ) 1926 (ब) 1928

(स) 1927 (द) 1929 (ब)

प्र. 4. पूना पैक्ट समझौता किनके बीच हुआ?

(अ) गाँधीजी व मो. अली जिन्ना

(ब) गाँधीजी और सी.आर. दास

(स) गाँधीजी और अम्बेडकर

(द) गाँधी जी और नेहरू (स)

प्र. 5. हिन्द स्वराज पुस्तक किसने लिखी?

(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) महात्मा गाँधी

(स) सी.आर. दास (द) जिन्ना (ब)

प्र. 6. दाण्डी मार्च कब शुरू की गयी?

(अ) 12 जनवरी, 1930 (ब) 25 जून, 1931

(स) 12 मार्च, 1930 (द) 12 जुलाई, 1930 (स)

प्र. 7. पूर्ण स्वराज की घोषणा कब की गयी?

(अ) 1930 (ब) 1929

(स) 1927 (द) 1942 (ब)

प्र. 8. सीमांत गाँधी किसे कहा गया है?

(अ) महात्मा गाँधी (ब) अब्दुल गफ्फार खान

(स) सी.आर. दास (द) भगतसिंह (ब)

प्र. 9. चौरी चौरा काण्ड किस वर्ष हुआ?

(अ) 1920 (ब) 1925

(स) 1921 (द) 1922 (द)

प्र. 10. दमित वर्ग एसोसियेशन की स्थापना कब हुई?

(अ) 1932 (ब) 1935

(स) 1930 (द) 1928 (स)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. जलियावाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ?

उत्तर - 13 अप्रैल 1919

प्र. 2. खिलाफत आन्दोलन शुरू होने का प्रमुख कारण लिखिए।

उत्तर - तुर्की में खलीफा के पद को समाप्त कर दिये जाने के कारण, विश्व के सभी मुसलमानों ने खिलाफत आन्दोलन शुरू किया।

प्र. 3. असहयोग आन्दोलन का प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

उत्तर - एक वर्ष में स्वराज प्राप्ति का लक्ष्य असहयोग आन्दोलन का प्रमुख उद्देश्य था।

प्र. 4. बारदोली किसान आन्दोलन कब और किसके नेतृत्व में हुआ?

उत्तर - सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में 1928 में हुआ।

प्र. 5. भारत में साइमन कमीशन का विरोध क्यों हुआ?

उत्तर - साइमन कमीशन में एक भी भारतीय सदस्य नहीं होने के कारण इसका भारत में विरोध हुआ।

प्र. 6. गाँधी-इरविन समझौता कब हुआ?

उत्तर - 5 मार्च, 1931

प्र. 7. भारत माता का छवि चित्र किसने बनाया?

उत्तर - अवीन्द्रनाथ टैगोर।

प्र. 8. बेगार से आप क्या समझते है?

उत्तर - बिना किसी पारिश्रमिक के काम करवाना बेगार कहलाता है।

प्र. 9. अली बंधुओं के नाम लिखिए।

उत्तर - मोहम्मद अली और शौकत अली।

प्र. 10. रोलट एक्ट का भारत में विरोध क्यों हुआ?

उत्तर - इस नियम के अनुसार किसी भी व्यक्ति को संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया जा सकता था, अत: इसका विरोध हुआ।

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. चौरी-चौरा काण्ड पर टिप्पणी लिखिए-

उत्तर - 5 फरवरी 1922 को उत्तरप्रदेश के चौरी-चौरा नामक स्थान पर उग्र भीड़ ने स्थानीय पुलिस थाने को आग लगा दी, जिसमें 1 थानेदार, 21 सिपाही जिंदा जल गये। यह घटना चौरी चौरा

Created by Universal Document Converter

काण्ड के नाम से प्रसिद्ध है।

प्र. 2. साइमन कमीशन पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – 1919 के अधिनियम की जाँच के लिए साइमन की अध्यक्षता में एक कमीशन 1928 को भारत आया। भारत में इसका विरोध हुआ क्योंकि इसमें एक ही भारतीय सदस्य नहीं था।

प्र. 3. पूर्ण स्वराज की घोषणा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – 1929 को जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में रावी नदी के किनारे लाहौर में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन हुआ, जिसमें पूर्ण स्वराज की घोषणा की गयी तथा प्रतिवर्ष 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

प्र. 4. दाण्डी मार्च पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – 12 मार्च 1930 को गांधीजी ने नमक कानून तोड़ने के लिए साबरमती आश्रम से दाण्डी नामक स्थान तक, 78 अनुयायियों के साथ, 240 किलोमीटर की यात्रा की तथा नमक कानून तोड़ा। यह यात्रा दाण्डी मार्च कहलाती है।

प्र. 5. पूना पैक्ट पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – सितम्बर 1932 में पूना में, गाँधीजी तथा भीमराव अम्बेडकर के बीच एक समझौता हुआ जो पूना पैक्ट के नाम से जाना जाता है। इसके अनुसार दमित वर्ग हेतु प्रान्त तथा केन्द्र विद्यार्थी परिषद में स्थान आरक्षित कर दिया गया।

❖❖❖

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 3

भूमण्डलीयकृत विश्व का बनना

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न-1, अंक -1, दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न-1, अंक-3)

प्र. 1. विश्वव्यापी आर्थिक मंदी की शुरूआत कब हुई?

(अ) 1919 (ब) 1929

(स) 1932 (द) 1947 (ब)

प्र. 2. ब्रेटनवुड सम्मेलन में कौनसी संस्था की स्थापना हुई?

(अ) यूनिसेफ (ब) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(स) यूनेस्को (द) श्रम संघठन (ब)

प्र. 3. विभिन्न देशों के बीच परस्पर तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है-

(अ) उदारीकरण (ब) निजीकरण

(स) राष्ट्रीयकरण (द) वैश्वीकरण (द)

प्र. 4. 18वीं सदी में विश्व व्यापार का सबसे बड़ा केन्द्र था-

(अ) एशिया (ब) यूरोप

(स) अफ्रीका (द) अमेरिका (अ)

प्र. 5. भारत से ले जाया गया अनुबंधित श्रमिक क्या कहलाता था?

(अ) दश श्रमिक (ब) फटफटिया

(स) उपनिवेश श्रमिक (द)गिरमिटिया (द)

प्र. 6. G-77 में शामिल देश है-

(अ) विकसित देश (ब) विकासशील देश

(स) आन्तरिक देश (द) बाहरी देश (ब)

प्र. 7. विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का सबसे बुरा असर पड़ा-

(अ) जापान (ब) भारत

(स) ब्रिटेन (द) अमेरिका (द)

प्र. 8. अमेरिका से आशय है-

(अ) उत्तरी अमेरिका (ब) दक्षिणी अमेरिका

(स) कैरीबीयन द्वीप (द) सभी (द)

प्र. 9. रिडरपेस्ट नामक बीमारी किस महाद्वीप में फैली?

(अ) एशिया (ब) अफ्रीका

(स) जापान (द) यूरोप (ब)

प्र. 10. प्रथम विश्व युद्ध कब शुरू हुआ?

(अ) 1912 (ब) 1914

(स) 1918 (द) 1940 (2)

दीर्घउतरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. ब्रेटनवुड की जुड़वा संतान के बारे में आप क्या समझते है?

उत्तर - विश्व युद्धों के बाद अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था को नियमित करने हेतु जुलाई 1944 में अमेरिका में ब्रेटनवुड नामक स्थान पर एक सम्मेलन हुआ जिसमें मोद्रिक तथा वित्तिय मामलों को नियंत्रित करने की सहमती बनी, जो ब्रेटनवुड सम्मेलन कहलाता है। ब्रेटनवुड सम्मेलन में युद्धोत्तर पुनर्निर्माण के लिए दो संघटनों की स्थापना की गयी, जिन्हें ब्रेटनवुड की जुड़वा संतान कहते है।

1. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

2. अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण विकास बैंक

प्र. 2. 1929 की आर्थिक मंदी के कारणों की व्याख्या करें।

उत्तर - 1929 में सम्पूर्ण विश्व को आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ा जिसका नकारात्मक प्रभाव सभी देशों पर पड़ा। इसके निम्न कारण थे।

1. उत्पादन की अधिकता : कृषि उत्पादों की अधिकता के कारण, मूल्यों में गिरावट आयी। परिणामस्वरूप किसानों की आय का स्तर गिरने लगा। इस कारण सभी किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए उत्पादन पर बल देने लगे। अत: खरीददारों की कमी के कारण आर्थिक सुधार संभव नहीं हुआ।

2. ऋणों में गिरावट : 1920 के दशक में अमेरिका विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था में शामिल था तथा विभिन्न देशों को ऋण की अदायगी भी करता था। परन्तु आर्थिक मंदी के कारण अमेरिकी शेयर मार्केट में गिरावट आने से सभी देशों की आर्थिक स्थिति में गिरावट आयी।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 4

औद्योगिकरण का युग

कुल अंक-04 (रिक्तस्थान प्रश्न-1 अंक-1, वस्तुनिष्ठ प्रश्न-1, अंक -1, अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-2, अंक-2)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

प्र. 1. ऐसा व्यक्ति जो रेशों के हिसाब से ऊन को छांटता है ..... कहलाता है। (उत्तर - स्टेपलर)

प्र. 2. स्पीनिंग जैनी का आविष्कार ..... हुआ (उत्तर-1764)

प्र. 3. 1854 में प्रथम कपड़ा मिल ..... स्थापित हुई। (उत्तर - बम्बई)

प्र. 4. ..... पुराना तथा विश्वस्त कर्मचारी होता था। (उत्तर - जॉबर)

प्र. 5. प्रथम जूट मिल 1855 ई. में ..... स्थापित हुई। (उत्तर - बंगाल)

प्र. 6. प्रथम लौह, इस्पात, संयंत्र ..... में स्थापित हुआ। (उत्तर - जमशेदपुर)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्र. 1. स्पिनिंग जैनी का आविष्कार किसने किया?

(अ) जॉन के (ब) आर्कराईट

(स) हारग्रीब्ज (द) स्टीफेन्सन (स)

प्र. 2. भारत में प्रथम कपड़ा मिल कहाँ स्थापित हुई?

(अ) कलकत्ता (ब) बम्बई

(स) कानपुर (द) अहमदाबाद (ब)

प्र. 3. भारत में प्रथम लौह इस्पात संयंत्र कब स्थापित हुआ?

(अ) 1854 (ब) 1912

(स) 1855 (द) 1917 (ब)

प्र. 4. बुनकरों पर निगरानी करने वाले वेतन भोगी कर्मचारी थे-

(अ) ऐजेन्ट (ब) राजस्व अधिकारी

(स) गुमाश्ता (द) आमिल (स)

प्र. 5. बम्बई में प्रथम कपड़ा मिल कब स्थापित हुई?

(अ) 1804 (ब) 1816

(स) 1854 (द) 1855 (स)

प्र. 6. इंग्लैण्ड में किस दशक में कारखाने खुले?

(अ) 1710 दशक (ब) 1720 दशक

(स) 1730 दशक (द) 1740 दशक (स)

प्र. 7. औद्योगिक क्रांति से पहले विश्व बाजार में किस देश का सूती वस्त्र प्रचलित था?

(अ) अमेरिका (ब) फ्रांस

(स) भारत (द) इंग्लैण्ड (स)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. सर्वप्रथम किसने भाप के इंजन का पेंटेट करवाया?

उत्तर - 1871 में जैम्स वॉट ने कराया था।

प्र. 2. भारत के दो बन्दरगाह के नाम लिखिए, जिनसे विदेश व्यापार होता था?

उत्तर - 1. सूरत, 2. हुगली

प्र. 3. भारत के दो प्रारम्भिक उद्योगपतियों के नाम लिखिए।

उत्तर - 1. जमशेद जी टाटा, 2. द्वारकानाथ टैगोर

प्र. 4. आदि औद्योगिकरण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - कारखानों की स्थापना से पहले की अवस्था आदि औद्योगिकरण कहलाती है।

प्र. 5. गुमाश्ता कौन थे?

उत्तर - बुनकरों पर नियंत्रण करने वाले वेतनभोगी कर्मचारी गुमाश्ता कहलाते थे।

प्र. 6. अमेरिकी गृहयुद्ध का भारतीय बुनकर पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर - अमेरिकी गृहयुद्ध के कारण कच्चे कपास की कमी के कारण, कच्चे माल की आवक कम हो गयी।

प्र. 7. गिल्डस से आप क्या समझते है?

उत्तर - यह एक प्रकार के व्यापारिक संगठक होते जो उत्पादन पर नियंत्रण रखते थे।

प्र. 8. स्टेपलर्स का अर्थ लिखिए।

उत्तर - रेशों के हिसाब से ऊन को स्टेपल करने वाला स्टेपलर्स कहलाता था।

प्र. 9. आदि औद्योगिक व्यवस्था की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - (1) व्यापार पर सौदागरों का नियंत्रण (2) उत्पादन घरों में ही होता था।

Created by Universal Document Converter

प्र. 10. भारत की प्रथम जूट मिल कब और कहाँ स्थापित हुई?

उत्तर – बंगाल में 1855।

प्र. 11. कार्डिंग का अर्थ लिखिए-

उत्तर– उत्पादन की एक प्रक्रिया जिसमें ऊन या कपास को कतायी के लिए तैयार करना।

प्र. 12. फ्लाई शटल के दो लाभ लिखिए।

उत्तर– 1. उत्पादन क्षमता बढ़ी।
2. श्रम की मांग में गिरावट।

❖❖❖

अध्याय 5

मुद्रण संस्कृति, आधुनिक दुनिया

कुल अंक-04 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न-1, अंक -1, रिक्त स्थान प्रश्न-1, अंक-1, लघुतरात्मक प्रश्न-1, अंक-2)

रिक्त स्थान की पूर्ति करें-

प्र. 1. गुटेनबर्ग ने..... का आविष्कार किया।
(उत्तर – छापेखाने)

प्र. 2. भारत में सर्वप्रथम प्रेस ..... में आयी।
(उत्तर–गोवा)

प्र. 3. 95 प्रसंग की रचना..... द्वारा की गयी।
(उत्तर – मार्टिन लूथर)

प्र. 4. ऐतिहासिक आख्यान..... कहलाता है।
(उत्तर – गाथा गीत)

प्र. 5. रोमन चर्च ने धर्म विरोधी विचार दबाने हेतु..... की स्थापना की। (उत्तर – इन्क्वीजिशन)

प्र. 6. इस्लामी कानून के विद्वान..... कहलाते है।
(उत्तर – उलेमा)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्र. 1. आधुनिक छापेखाने का आविष्कार किसने किया?
(अ) मार्टिन लूथर (ब) गुटेनबर्ग
(स) कोलम्बस (द) दिदरो (ब)

प्र. 2. वर्नाकूलर प्रेस एक्ट कब पारित हुआ?
(अ) 1872 (ब) 1874
(स) 1878 (द) 1890 (स)

प्र. 3. गुलामगिरी पुस्तक का लेखक कौन है?
(अ) महात्मा गाँधी (ब) भीमराव अम्बेडकर
(स) ज्योतिबा फुले (द) नेहरू (स)

प्र. 4. बंगाल गजट समाचार पत्र का प्रकाशन किसने किया?
(अ) राजाराम मोहन राय (ब) जेम्स हिक्की
(स) वाटेन हैस्टिंग्ज (द) रिपन (ब)

प्र. 5. गुटेनबर्ग ने पहली पुस्तक कौनसी छापी?
(अ) कुरान (ब) बाइबिल
(स) त्रिपीटक (द)रामायण (ब)

प्र. 6. भारत में सर्वप्रथम प्रिंटिग प्रेस कहां आयी?
(अ) गोवा (ब) कोलकात्ता
(स) अहमदाबाद (द) पूना (अ)

प्र. 7. केशरी का प्रकाशन किसने किया?
(अ) राजाराम मोहन राय (ब) महात्मा गाँधी
(स) गंगाधर तिलक (द) नेहरू (स)

प्र. 8. राजाराम मोहन राय के समाचार पत्र का नाम लिखिए।
(अ) केसरी (ब) मराठा
(स) संवाद कौमुदी (द) गुलाम गिरी (स)

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. वर्नाकूलर प्रेस एक्ट पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – 1878 में लार्ड लिटन ने वर्नाकूलर प्रेस एक्ट पारित किया। इसके अनुसार भारतीय भाषा में छपने वाले समाचार पत्र पर सेंसर लगाने का अधिकार मिल गया।

Created by Universal Document Converter

प्र. 2. मुद्रण क्रान्ति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – मुद्रण के आविष्कार के बाद स्थानीय भाषा में भी वृहद स्तर पर पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। परिणामस्वरूप पुस्तकों की कीमतों में गिरावट आयी तथा पुस्तकों की संख्या बढ़ने से पाठक वर्ग में इजाफा हुआ।

प्र. 3. कितागावो उतामारो पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – यह एक प्रसिद्ध जापानी चित्रकार था। उसने उकियो नामक एक नवीन चित्रकला शैली का विकास किया। इसमें आम शहरी जीवन का चित्रण किया गया।

प्र. 4. छापेखाने की तकनीक में क्या-क्या सुधार किये गये?

उत्तर – (1) अठारवीं सदी में छापेखाने का निर्माण धातुओं से होने लगा। (2) भाप शक्ति का प्रयोग होने लगा। (3) विभिन्न रंगों में छपाई होने लगी। (4) एक साथ अधिकतम पुस्तकों का छपना।

प्र. 5. छापेखाने का धार्मिक सुधार पर प्रभाव पड़ा कैसे?

उत्तर – उन्नीसवी सदी में सामाजिक सुधारक तथा धर्म सुधारकों के बीच सामाजिक कुरीतियों तथा धार्मिक पूजा संबंधी विचारों को लेकर काफी वाद-विवाद था। छापेखाने के आविष्कार से स्थानीय भाषा में पुस्तकों का प्रकाशन संभव हुआ। परिणामस्वरूप लोगों में तार्किक चिन्तन का विकास हुआ।

❖❖❖

अध्याय 6

संसाधन एवं विकास

कुल अंक-03 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न-1, अंक -1, लघुतरात्मक प्रश्न-1, अंक-2)

प्र. 1. अवनलिका द्वारा सर्वाधिक मृदा अपरदन किस क्षेत्र में होता है?

उ. चंबल बेसिन में

प्र. 2. काजू की फसल के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मृदा है?

उ. लाल लेटेराइट

प्र. 3. लेटेराइट शब्द ग्रीक भाषा के किस शब्द से लिया गया है?

उ. लेटर (जिसका अर्थ 'ईंट' है)

प्र. 4. 'रेगर' मृदा किस मृदा को कहा जाता है?

उ. काली मृदा

प्र. 5. आयु के आधार पर पुराना जलोढ़ को किस नाम से जाना जाता है?

उ. बांगर

प्र. 6. आयु के आधार पर नये जलोढ़ को किस नाम से जाना जाता है?

उ. खादर

प्र. 7. पर्वतीय क्षेत्र की तहलटी में बने क्षेत्र को किस नाम से जाना जाता है?

उ. द्वार, चौ तथा तराई।

प्र. 8. राष्ट्रीय वन नीति (1952) द्वारा निर्धारित वन क्षेत्र का कितना प्रतिशत वांछित है।

उ. 33 प्रतिशत

प्र. 9. भारत में निम्नीकृत भूमि है?

उ. 13 करोड़ हेक्टेयर

प्र. 10. भारत में विभिन्न प्रकार की भू-आकृतिक भागों का प्रतिशत है।

उ. 43 प्रतिशत मैदान, 30 प्रतिशत भाग पर्वत तथा 27 प्रतिशत भाग पठारी।

प्र. 11. पुस्तक 'स्माल इज ब्यूटीफुल' के लेखक है।

उ. शुमेसर

प्र. 12. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वप्रथम संसाधन संरक्षण की वकालत कब व किसने की।

उ. 1968 में 'क्लब ऑफ रोम' ने की।

प्र. 13. 'एजेंडा 21' का मुख्य उद्देश्य है।

उ. भूमंडलीय सतत पोषणीय विकास हासिल करना है।

प्र. 14. प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन कहाँ हुआ।

उ. जून 1992 में ब्राजील के रियोडी जेनेरो शहर में।

Created by Universal Document Converter

प्र. 15. समुद्र में कितने किलोमीटर तक पाये जाने वाले संसाधन राष्ट्र की संपदा है।

उ. 12 समुद्री मील (22.2 किलोमीटर)

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. उत्पत्ती के आधार पर संसाधनों को वर्गीकृत कीजिए-

उत्तर - (1) जैव संसाधन : इस प्रकार के संसाधन सजीवों से प्राप्त होते है जैसे - मनुष्य, पादप, जलीय-जीव, जन्तु आदि।

(2) अजैव संसाधन : इस प्रकार के संसाधन निर्जीव वस्तुओं से प्राप्त होते हैं जैसे - खनिज, मृदा, जल, सूर्यातप आदि।

प्र. 2. भारत में भू-निम्नीकरण के कारण समझाइए-

उत्तर - (1) जल के कारण मृदा अपरदन होना।

(2) अति सिंचाई के कारण जलाक्रांतता होना।

(3) अति पशुचारण व वनोन्मूलन के कारण।

(4) मृदा का लवणीय व क्षारीय होना।

(5) उद्योगों से निकले अपशिष्ट या गंदे रासायन युक्त पानी के द्वारा।

प्र. 3. भू-निम्नीकरण के उपाय समझाइए-

उत्तर - (1) अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके तथा वनोन्मूलन को रोककर।

(2) मरूस्थलीय तथा अन्य क्षेत्रों में होने वाले अति पशुचारण को रोककर।

(3) रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग करके।

(4) जनसंख्या वृद्धि को कम करके।

प्र. 4. संसाधनों के अत्यधिक दोहन से होने वाली समस्याएँ स्पष्ट करें।

उत्तर - (1) संसाधनों के असन्तुलित उपयोग से समाज अमीर व गरीब में बँट गया।

(2) संसाधनों के असन्तुलित/अंधाधुध उपयोग के कारण ओजोन परत क्षरण, पर्यावरण प्रदूषण, भूमि-निम्नीकरण तथा भूमण्डलीय तापन जैसी वैश्वीक समस्याएँ उत्पन्न हो रही है।

(3) कुछ व्यक्तियों के लिए ही संसाधनों का ह्रास हो रहा है।

(4) संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण आने वाली पीढ़ीयों के लिए इनका प्राप्त नहीं होना भी या कमी होना भी गम्भीर समस्या होगी।

प्र. 5. मृदा अपरदन किसे कहते हैं? परिभाषित कीजिए-

उत्तर - जल या वायु द्वारा मृदा का बहाव ओर कटाव की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहते हैं। पृथ्वी पर मृदा अपरदन व मृदा निर्माण की प्रक्रिया साथ-साथ चलती है। वायु द्वारा मृदा अपरदन मरुस्थलीय क्षेत्रों में तथा जल द्वारा मृदा अपरदन बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में सर्वाधिक होता है।

प्र. 6. मृदा अपरदन रोकने के उपाय या मृदा संरक्षण को समझाइए-

उत्तर- (1) अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके तथा वनोन्मूलन को रोककर।

(2) मरूस्थलीय या अन्य क्षेत्रों में होने वाले अति पशुचारण को रोककर।

(3) जनसंख्या वृद्धि के कारण होने वाले अवयवस्थित निर्माण कार्य को रोककर।

(4) रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद के उपयोग से।

(5) पहाड़ी या ढ़लान वाले क्षेत्रों में सीढ़ी नुमा खेत बनाकर कृषि कार्य करके।

प्र. 7. एजेडा-21 क्या है? समझाइए-

उत्तर- यह एक घोषणा है जिसे 1992 में ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरो में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन के तत्वावधान में राष्ट्राध्यक्षों द्वारा स्वीकृत किया गया था जिसका मुख्य उद्देश्य 'भूमंडलीय सतत् पोषणीय विकास हासिल करना है।'

प्र. 8. सतत् पोषणीय विकास को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- जब आर्थिक विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए हो और वर्तमान विकास की प्रक्रिया भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न करें। उस विकास को सतत् पोषणीय विकास कहते हैं।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 7

वन एवं वन्य जीव संसाधन

कुल अंक-2 (वस्तुनिष्ठ - 1 अंक, अतिलघुतरात्मक - 1 अंक)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्र. 1. 1988 में किस राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पास किया?

उत्तर- ओडिसा

प्र. 2. टिहरी के किसानों द्वारा किस अभियान ने दिखा दिया कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग बिना भी विविध फसल उत्पादन व आर्थिक कृषि उत्पादन संभव है?

उत्तर- 'बीज बचाओ आंदोलन' और 'नवदानम'

प्र. 3. राजस्थान का कौनसा समाज पशु-पक्षी तथा वन्य जीव प्रेमी के रूप में जाना जाता है?

उत्तर- बिश्नोई समाज

प्र. 4. ''प्रोजेक्ट टाईगर'' वन्य जीव परियोजना कब प्रारम्भ की गई?

उत्तर- 1973 में

प्र. 5. भारतीय वन्य जीवन (रक्षण) अधिनियम कब लागू किया गया?

उत्तर- 1972 में

प्र. 6. बक्सा टाईगर रिजर्व किस खनिज के खनन से खतरे में हैं?

उत्तर- डोलोमाइट खनिज।

प्र. 7. भारत में 1952 में वन्य-जीव को लुप्त घोषित किया गया?

उत्तर- एशियाई चीता

प्र. 8. भारत में विश्व की कितनी प्रतिशत जैव उपजातियों की संख्या है?

उत्तर- 8 प्रतिशत

प्र. 9. 2019 की रिपोर्ट के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का कितना प्रतिशत क्षेत्रफल वन आवरण है?

उत्तर- 24.56 प्रतिशत

प्र. 10. विश्व में सर्वाधिक बिकने वाली कैंसर औषधि किस पादप से प्राप्त की जाती है?

उत्तर- 'हिमालयन यव' से

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. IUCN का शब्द विस्तार कीजिए-

उत्तर- अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण संघ।

प्र. 2. संकट ग्रस्त जातियाँ क्या होती है? उदाहरण दीजिए-

उत्तर- वे जीवों की जातियाँ जिनके लुप्त होने का खतरा है। यदि लुप्त होने के कारण या परिस्थितियाँ बनी रही तो इनका जीवित रहना कठिन है। उदाहरण - काला हिरण, मगरमच्छ, गैंडा, शेर।

प्र. 3. जैव विविधता को परिभाषित कीजिए-

उत्तर- पृथ्वी के स्थलीयव जलीय भाग पर अनेक प्रकार के जीव-जन्तुओं तथा वनस्पति का पाया जाना ही जैव-विविधता है।

प्र. 4. भारत में तथा विश्व में जैव-विविधता कम होने के कारण लिखिए-

उत्तर - (1) मानव द्वारा अंधाधुंध वनों की कटाई से जीवों के आवास का विनाश होना।

(2) मानव द्वारा जीव-जन्तुओं का अत्यधिक शिकार करना अथवा मारना।

(3) मानव द्वारा जनित वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, हरित ग्रह प्रभाव आदि।

(4)मानव द्वारा अनेक रासायनिक व कीटनाशकों के उपयोग द्वारा जीव-जन्तुओं व वनस्पत्ति का नष्ट होना।

प्र. 5. मानव के लिए वन्य जीवों का महत्व अथवा संरक्षण की आवश्यकता समझाइए-

उत्तर- पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने के लिए प्रत्येक प्रजाति का सन्तुलित संख्या में जीवित रहना आवश्यक है तथा वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण द्वारा ही जल, वायु, मृदा की मूलभूत संरचना का बना रहना संभव है।

प्र. 6. 'प्रोजेक्ट टाईगर' क्या है? समझाइए-

उत्तर- यह बाघ के संरक्षण के लिए बनाई गई परियोजना है। बाघ वन्य जीव संरचना में महत्वपूर्ण जंगली जाती है। 1973 में इस परियोजना की शुरूआत की गई।

प्र. 7. जनजाति या आदिवासी क्षेत्रों में वनों की कटाई या निम्नीकरण का प्रमुख कारण लिखिए-

उत्तर- पूर्वोत्तर तथा मध्य भारत में स्थानांतरी या 'स्लैश' और 'बर्न' खेती के चलते वनों की कटाई या निम्नीकरण हुआ।

Created by Universal Document Converter

प्र. 8. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

उत्तर- सुंदरवन, बक्शा टाईगर रिजर्व - पश्चिम बंगाल
कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान - उत्तराखण्ड
मानस बाघ रिजर्व - असम
पेरियार बाघ रिजर्व - केरल
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान - मध्यप्रदेश
सरिष्का वन्य जीव पशु विहार - राजस्थान

प्र. 9. लुप्त जातियाँ क्या है? उदाहरण दीजिए -

उत्तर- वे वन्य जीव तथा वनस्पति जातियाँ है जो इनके रहने, उगने के आवासों में खोजने पर अनुपस्थित या नहीं पाई गई। उदाहरण - एशियाई चीता, गुलाबी सिरवाली बखत।

प्र. 9. दुर्लभ जातियाँ क्या है? उदाहरण दीजिए-

उत्तर- ऐसी जातियाँ जिनकी संख्या बहुत कम है या सुभेद्य है और यदि इनको प्रभावित करने वाले कारक नहीं बदले तो सभी सुभेद्य जातियाँ दुर्लभ जातियाँ बन जायेगी। उदाहरण - नीली भेड़, गंगा की डॉल्फिन।

❖❖❖

अध्याय 8

जल संसाधन

कुल अंक-3 (रिक्त स्थान- 1 अंक, लघुतरात्मक - 2 अंक)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

प्र. 1. भारत में औसत वार्षिक वर्षा की मात्रा ..... है।

उत्तर- 144 सेंटीमीटर

प्र. 2. भारत में कुल विद्युत उत्पादन का .....उत्पादन जल विद्युत का है।

उत्तर- 22%

प्र. 3. बाँधों को आधुनिक भारत के मंदिर ..... ने कहा।

उत्तर- पं. जवाहरलाल नेहरू

प्र. 4. भाखड़ा-नांगल परियोजना ..... नदियों पर बनी है।

उत्तर- सतलुज व व्यास

प्र. 5. हीराकुण्ड परियोजना ..... बेसीन पर बनी परियोजना है।

उत्तर- महानदी

प्र. 6. सरदार सरोवर बांध परियोजना ..... में व ..... पर बनी है।

उत्तर- गुजरात राज्य व नर्मदा नदी

प्र. 7. भारत में विश्व की सर्वाधिक वर्षा ..... के ..... नामक स्थान पर होती है।

उत्तर- मेघालय राज्य के मॉसिनराम

प्र. 8. राजस्थान के शुष्क व अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में घरों की छतों से पाईप लगाकर वर्षा का जल इकठ्ठा करने के भूमिगत टैंक को ..... कहा जाता है।

उत्तर- टाँका

प्र. 9. मेघालय राज्य में नदियों व झरनों के जल को बॉस से बने पाइप द्वारा उपयोग करने की विधि को ..... कहते है।

उत्तर- बाँस ड्रिप सिंचाई

प्र. 10. 14वीं शताब्दी में ..... ने दिल्ली में ..... क्षेत्र में जल की सप्लाई के लिए ..... बनवाया।

उत्तर- इल्तुतमीश, सिरी फोर्ट, होज खास

प्र. 11. ..... एक प्राकृतिक उर्वरक है।

उत्तर- तलछट

प्र. 12. ..... व ..... राजस्थान के शुष्क व अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल के स्रोत है।

उत्तर- खादिन, जोहड़

प्र. 13. वर्षा जल को राजस्थान में ..... भी कहा जाता है।

उत्तर- पालर पानी

प्र. 14. ..... भारत का एक ऐसा राज्य है जहाँ सम्पूर्ण राज्य में घर-घर में छत से वर्षा जल संग्रहित किया जाता है।

Created by Universal Document Converter

उत्तर- तमिलनाडु

प्र. 15. ..... मोर्य के समय बृहत स्तर पर बाँध, झील और सिंचाई तंत्रों का निर्माण करवाया गया।

उत्तर- चन्द्रगुप्त मोर्य

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. राजस्थान के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण किस विधि द्वारा किया जाता है?

उत्तर- राजस्थान के शुष्क व अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण के लिए गड्ढ़े बनाये जाते है ताकि मृदा को सिंचित किया जा सके तथा संरक्षित जल को खेती के लिए उपयोग में लाया जा सके। जैसलमेर में खादीन तथा अन्य क्षेत्रों में जोहड़ के नाम से जाना जाता है।

पीने का पानी संग्रहण टैंक को 'टांका' कहा जाता है जिसमें छत व आँगन का पानी संग्रहित किया जाता है।

प्र. 2. बहुउददेशीय परियोजनाएँ मानव विकास में किस प्रकार उपयोगी है? समझाइए- अथवा इनके लाभ/उद्देश्य। बाँध के उपयोग लिखिए।

उत्तर- बहुउद्देशीय परियोजनाएं मानव विकास में निम्न प्रकार उपयोगी है-

❖ सूखा ग्रस्त व मरुरूथलीय क्षेत्रों में कृषि सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करवाती है।

❖ देश के अनेक शहरों में पेय जल आपूर्ति करवाई जाती है।

❖ अनेक परियोजनाओं पर जल विद्युत उत्पादन का कार्य किया जाता है।

❖ नदी पर परियोजना बनाकर बाढ़ नियंत्रण किया जा रहा है, इन सभी बहुउद्देशीय कार्यों के सम्पन्न होने से कृषि, विद्युत, पेयजल, बाढ़ नियंत्रण जैसे अनेक आर्थिक लाभ प्रात होते है।

प्र. 3. जल दुर्बलता क्या है? इसके मुख्य कारण लिखिए।

उत्तर- जल दुर्बलता का अर्थ है कि किसी क्षेत्र में जल उपलब्ध होने के बावजूद भी वहां जल प्राप्ती की कमी होना। इसके अनेक कारण हो सकते है जैसे - अत्यधिक जनसंख्या होने के कारण जल उपलब्ध नहीं होना, सभी स्थानों पर जनसंख्या के अनुपात में जल का वितरण नहीं होना, जल का अनेक कारणों से प्रदूषित होना या जल में अत्यधिक मात्रा में लवणता भी जल की दुर्बलता का कारण बनती है। अत: समय की मांग है कि जल संसाधनों का संरक्षण एवं प्रबंधन करें तथा आने वाले समय के लिए जल को सुरक्षित रखे।

प्र. 4. जल एक नवीकरण योग्य संसाधन है? समझाइए-

उत्तर - मानव जीवन के लिए सर्वाधिक उपयोगी संसाधन जल है लेकिन वर्तमान समय उपयोग योग्य जल की मांग में लगातर कमी हो रही है। अत: वर्षा, नदियों द्वरा प्राप्त जल को संरक्षित कर जल की मात्रा को बढ़ाया जा सकता है। निम्न प्रकार से जल को नवीकरण संसाधन बनाया जा सकता है- (1) नदियों में प्रवाहित जल को महासागरों में जाने से पहले आवश्यकता अनुसार बाँध बनाकर और बाँध से आस-पास के क्षेत्रों में भूमिगत जल स्तर बढ़ेगा, सिंचाई के लिए नहरों द्वारा पानी प्राप्त होगा, बड़े शहरों में पेयजल उपलब्ध होगा। (2) वर्षा जल को प्रत्येक घरों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम द्वारा संरक्षित कर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाया जा सकता है।

इन दो उपायों से जल को पुन: नवीकरण योग्य संसाधन के रूप में बना सकते है।

प्र. 5. ''भारत में जल संकटग्रस्त संसाधन है।'' कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर- (1) भारत में बढ़ती जनसंख्या के कारण जल के अत्यधिक उपयोग से कमी हो रही है।

(2) लगातार बढ़ रहे जल प्रदूषण के कारण उपयोगी जल का प्रतिशत घट रहा है।

(3) नदी-नालों में बहकर शुद्ध जल महासागरो में चला जाता है जो उपयोग योग्य नहीं रहता।

(4) भारत में मानसून की अनियमितता के कारण वर्षा जल में कमी हो रही है।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 9

कृषि

कुल अंक-3 (दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न -1)

प्र. 1. भारतीय कृषि की स्थिति में सुधार के लिए सरकार द्वारा लाए गए संस्थागत और तकनीकी सुधारों के बारे में बताएं।

उत्तर - स्वतंत्रता के पश्चात देश में संस्थागत सुधार करने के लिए जोतों की चकबंदी, सहकारिता तथा जमींदारी आदि को समाप्त करने को प्राथमिकता दी गई।

❖ 1960 और 1970 के दशकों में भारत सरकार ने कई प्रकार के कृषि सुधारों की शुरूआत की। पैकेज टेक्नोलोजी पर आधारित हरित क्रांति तथा श्वेत क्रांति जैसी कृषि सुधार के लिए रणनीतियाँ आरंभ की गई थी।

❖ 1980 तथा 1990 के दशकों में व्यापक भूमि विकास कार्यक्रम शुरू किया गया जो संस्थागत तथा तकनीकी सुधारों पर आधारित था। इस दिशा में उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों में सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग तथा बीमारी के लिए फसल बीमा, कम दर पर किसानों को ऋण, प्रदान करने के लिए ग्रामीण बैंक, सहकारी समितियों और बैंकों की स्थापना की गई।

❖ किसानों के लाभ के लिए किसान क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना भी शुरू की।

❖ किसानों को मौसम की जानकारी देने के लिए आकाशवाणी और दूरदर्शन से बुलेटिन और कृषि कार्यक्रम प्रसारित किये जाते है।

❖ किसानों को बिचौलियों और दलालों के शोषण से बचाने के लिए न्यूनतम सहायता मूल्य और कुछ महत्वपूर्ण फसलों के लाभदायक खरीद मूल्यों की सरकार घोषणा करती है।

प्र. 2. रबी एवं खरीफ फसलों में प्रमुख अन्तर बताइए।

उत्तर - रबी एवं खरीफ फसलों में अन्तर

क्र.सं.	रबी फसल	खरीफ फसल
1.	रबी फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसम्बर के मध्य बोया जाता है।	खरीफ फसलें मानसून के आगमन के साथ जून जुलाई के महीनों में बोई जाती है।
2.	इन्हें ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काटा लिया जाता है।	इन फसलों को शीत ऋतु के प्रारम्भ होने से पहले ही सितम्बर-अक्टूबर माह में काट लिया जाता है।
3.	गेहूँ, जौ, चना, मटर व सरसों आदि प्रमुख रबी फसलें है।	चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा आदि प्रमुख खरीफ फसलें है।

प्र. 3. प्रारंभिक/आदिम निर्वाह कृषि और व्यावसायिक/वाणिज्य कृषि के बीच अंतर लिखो।

उत्तर -

	प्रारंभिक / आदिम निर्वाह कृषि	वाणिज्यिक कृषि
1.	इस प्रकार की कृषि भूमि के छोटे टुकड़ों पर आदिम कृषि औजारों जैसे लकड़ी के हल, डाओ, खुदाई करने वाली छड़ी से की जाती है।	इस प्रकार की कृषि मुख्यत: वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए की जाती है।
2.	परिवार तथा समुदाय श्रम की मदद से की जाती है।	अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए बड़ी मशीनों, अधिक पैदावार देने वाले बीजों, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है।
3.	इस प्रकार की कृषि प्राय: मानसून, मृदा की प्राकृतिक उर्वरता पर निर्भर करती है।	कृषि के वाणिज्यीकरण का स्तर विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग है। उदा.-पंजाब और हरियाणा में चावल वाणिज्य फसल है परन्तु ओडिशा में यह एक जीविका फसल है।

Created by Universal Document Converter

4. इसे कर्तन दहन प्रणाली तथा झूम के नाम से भी जाना जाता है।

प्र. 4. गहन जीविका कृषि क्या है? इस कृषि की तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - गहन जीविका कृषि : यह श्रम गहन खेती है। जहाँ अधिक उत्पादन के लिए अधिक मात्रा में जैव-रासायनिक निवेशों और सिंचाई का प्रयोग किया जाता है।

विशेषताएँ (1) इस प्रकार की कृषि उन क्षेत्रों में की जाती है जहाँ भूमि पर जनसंख्या दबाव अधिक होता है। (2) किसान सीमित भूमि पर अधिकतम पैदावार लेने के लिए अधिक मात्रा में जैव-रासायनिक निवेशों और सिंचाई का प्रयोग करता है। (3) भूस्वामित्व में विरासत के अधिकार के कारण पीढ़ी दर पीढ़ी जोतों का आकार छोटा एवं अलाभप्रद होता जा रहा है।

प्र. 5. रेशेदार फसलों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - (1) कपास - कपास सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख कच्चा माल है।

❖ कपास उत्पादन में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।

❖ पठारी तथा काली मृदा कपास उत्पादन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है।

❖ इसके उगाने के लिए उच्च ताप, हल्की वर्षा 210 दिन पाला रहित धूप की आवश्यकता होती है।

(2) जूट : इसे सुनहरा रेशा कहा जाता है।

❖ जूट का उत्पादन बाढ़ क्षेत्रों में जल निकासी वाली उर्वरक मृदा में उगाई जाती है।

❖ उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।

❖ पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और ओडिशा प्रमुख जूट उत्पादक राज्य है।

प्र. 6. दो रोपण/पेय फसलों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर - **(1) चाय** - यह एक पेय फसल है जिसे अंग्रेज भारत लाए थे।

❖ उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु, ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी तथा सुगम जल निकास वाले ढलवाँ क्षेत्रों में उगाया जाता है।

❖ वर्ष भर समान रूप से होने वाली वर्षा पत्तियों के विकास के लिए सहायक होती है।

❖ चाय एक श्रम-सघन उद्योग है। इसके लिए प्रचुर मात्रा में सस्ता और कुशल श्रम चाहिए।

❖ इसकी ताजगी बनाए रखने के लिए चाय की पत्तियाँ बागान में ही संसाधित की जाती है।

❖ भारत में चाय का प्रमुख उत्पादन, असम, पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग, तमिलनाडु व केरल

(2) कॉफी - भारत में मुख्यत: अरेबिका किस्म की कॉफी उत्पादित की जाती है जो यमन से लाए गई है।

❖ अरेबिका कॉफी की मांग विश्वभर में सर्वाधिक है।

❖ भारत में कॉफी बागानों का प्रारंभ बाबा-बूदन पहाड़ियों से हुआ।

❖ मुख्य उत्पादन - कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु

प्र. 7. दो प्रमुख खाद्यान्न फसलों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर - (1) चावल - यह भारत का प्रमुख खाद्यान्न है जिसे खरीफ की फसल के रूप में उगाया जाता है।

❖ चावल उत्पादन के लिए 25°C तापमान व 100 CM से अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। चावल की खेती के लिए डेल्टाई मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है।

❖ भारत का विश्व में चावल उत्पादन की दृष्टि से दूसरा स्थान है। (प्रथम चीन)

❖ भारत में चावल का उत्पादन मुख्यत: पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में किया जाता है।

(2) गेहूँ : भारत की दूसरी प्रमुख खाद्यान्न फसल है जिसे रबी सीजन में बोया जाता है।

❖ गेहूँ फसल के लिए 50 से 75 CM वर्षा तथा शीत ऋतु के साथ खिली धूप की आवश्यकता होती है।

❖ भारत में गंगा सतलुज का मैदान तथा ढक्कन का पठार प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है।

❖ भारत में गेहूँ का उत्पादन मुख्यत: पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार तथा राजस्थान में किया जाता है।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 10

खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

कुल अंक-4

प्र. 1. दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में आणविक ऊर्जा व तापीय ऊर्जा संयंत्रों की अवस्थिति दर्शाइए?

उत्तर - अध्याय -5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन में मानचित्र (भारत-ऊर्जा संयंत्र) बनाना।

प्र. 2. दिए गये भारत के रेखा मानचित्र में ऊर्जा के परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों को अंकित कीजिए?

उत्तर - अध्याय - 5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन में मानचित्र (भारत-परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत) बनाना।

प्र. 3. दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित खनिज उत्पादन स्थानों को अंकित कीजिए?

उत्तर - अध्याय - 5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन में मानचित्र (भारत महत्वपूर्ण खनिजों का वितरण) बनाना।

@SHEKHAWAT IMISSION100

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 11

विनिर्माण उद्योग

कुल अंक-2 (वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 अंक-1 + अतिलघुतरात्मक प्रश्न -1 अंक)

प्र. 1. सीमेंट उद्योग का प्रमुख कच्चा माल क्या है?

(अ) चूना पत्थर (ब) लाल पत्थर

(स) बलुआ पत्थर (द) कोबाल्ट (अ)

प्र. 2. भारत का चीनी उत्पादन में विश्व में कौनसा स्थान है?

(अ) पहला (ब) दूसरा

(स) तीसरा (द) चौथा (ब)

प्र. 3. निम्न में से कौनसे उद्योग दूरभाष कम्प्यूअर आदि संयंत्र निर्मित करते हैं?

(अ) स्टील (ब) एल्यूमिनियम

(स)इलेक्ट्रॉनिक (द) सूचना प्रौद्योगिकी (स)

प्र. 4. निम्नलिखित में से कौन सा खनिज पर आधारित उद्योग का उदाहरण है?

(अ) रबड़ उद्योग (ब) कागज उद्योग

(स) सीमेंट उद्योग (द) जूट उद्योग (स)

प्र. 5. भारत में अधिकतर पटसन उद्योग किस राज्य में स्थित है?

(अ) पश्चिमी बंगाल (ब) बिहार

(स)ओडिसा (द) महाराष्ट्र (अ)

प्र. 6. भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का कितना योगदान है?

(अ) 10 प्रतिशत (ब) 14 प्रतिशत

(स) 17 प्रतिशत (द) 20 प्रतिशत (स)

प्र. 7. भारत में सीमेंट का पहला कारखाना कहाँ लगाया गया?

(अ) मुम्बई (ब) चेन्नई

(स) कोलकात्ता

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं (ब)

प्र. 8. भारत का सबसे प्राचीन और प्रमुख उद्योग है?

(अ) लोहा तथा इस्पात उद्योग

(ब) जूट उद्योग (स)सूत्री वस्त्र उद्योग

(द) कागज उद्योग (स)

प्र. 9. भारत में सूत्री वस्त्र का पहला कारखाना कब लगाया गया?

(अ) 1850 (ब) 1854

(स) 1856 (द) 1858 (ब)

प्र. 10. विनिर्माण उद्योग कौन से क्षेत्र की क्रिया है?

(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक

(स) तृतीयक (द) चतुर्थक (ब)

प्र. 11. कोलकत्ता के निकट रिशरा में पटसन उद्योग का पहला कारखाना कब लगाया गया?

(अ) सन् 1857 में (ब) सन् 1858 में

(स) 1859 में (द) सन् 1860 में (स)

अतिलघुतरात्मक प्रश्न

प्र. 1. विनिर्माण क्या है?

उत्तर - कच्चे माल को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन को विनिर्माण कहा जाता है।

प्र. 2. सीमेंन्ट का पहला कारखाना कब और कहाँ खोला गया?

उत्तर - पहला सीमेंट उद्योग सन् 1904 में चैन्नई में लगाया गया था।

प्र. 3. भारत में सबसे महत्वपूर्ण कृषि आधारित उद्योग का नाम बताइये।।

उत्तर - सूती वस्त्र उद्योग।

प्र. 4. किस शहर को भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स राजधानी के रूप में जाना जाता है।

उत्तर - बेंगलूरू

प्र. 5. दो कृषि आधारित उद्योगों का उदाहरण दीजिए।

उत्तर - सूती वस्त्र उद्योग और पटसन उद्योग

प्र. 6. राष्ट्रीय पटसन नीति कब अपनायी गई?

उत्तर - सन् 2005 में

प्र. 7. किस क्षेत्र के उत्पादक कच्चे माल को परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते हैं?

उत्तर - द्वितीय क्षेत्र

प्र. 8. SAIL का शब्द विस्तार कीजिए।

उत्तर - स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया।

प्र. 9. आधारभूत उद्योग का उदाहरण है।

उत्तर - लोहा इस्पात उद्योग।

प्र. 10. किस रेशे को गोल्डन फाइबर कहा जाता है?

उत्तर - जूट के रेशे को गोल्डन फाइबर कहा जाता है।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 12

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

कुल अंक-3 (वस्तुनिष्ठ प्र.1 - 1 अंक, लघुतरात्मक प्र. 1 - 2 अंक)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्र. 1. निम्न में से कौनसा राज्य हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर पाइपलाइन से नहीं जुड़ा है?

(अ) मध्यप्रदेश (ब) महाराष्ट्र

(स) गुजरात (द) उत्तरप्रदेश (ब)

प्र. 2. निम्न में से परिवहन का कौनसा साधन वहनांतरण हानियों तथा देरी को घटाता है?

(अ) रेल परिवहन (ब) पाइप लाइन

(स) सड़क परिवहन (द) जल परिवहन (ब)

प्र. 3. भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पतन है?

(अ) पारादीप (ब) विशाखापट्टनम

(स) चैन्नई (द) कांडला (द)

प्र. 4. निम्न में से कौन से दो दूरस्थ स्थित स्थान पूर्वी-पश्चिमी गलियारे से जुड़े हैं?

(अ) मुम्बई तथा नागपुर (ब) सिलचर तथा पोरबंदर

(स) मुंबई तथा कोलकात्ता

(द)नागपुर तथा सिलिगुड़ी (ब)

प्र. 5. इनमें से कौनसा पत्तन पूर्वी तट पर स्थित है जो अंतः स्थलीय तथा अधिकतम गहराई का पत्तन है तथा पूर्ण सुरक्षित है?

(अ) चेन्नई (ब) पारादीप

(स) तूतीकोरिन (द) विशाखापट्टनम (द)

प्र. 6. निम्न में से कौनसा शब्द दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है?

(अ) आंतरिक व्यापार (ब) बाहरी व्यापार

(स) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (द) स्थानीय व्यापार (स)

प्र. 7. मुम्बई समुद्री पत्तन की भीड़ को कम करने के लिए किस नए पत्तन का विकास किया गया?

(अ) चैन्नई (ब) कांडला

(स) मार्मागाओ (द) जवाहरलाल नेहरू (द)

प्र. 8. निम्न में से कौन सा परिवहन साधन भारत में प्रमुख साधन है?

(अ) पाइपलाइन (ब) सड़क परिवहन

(स) रेल परिवहन (द) वायु परिवहन (स)

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना क्या है?

उत्तर- केन्द्र सरकार द्वारा प्रारम्भ यह परियोजना जिसमें भारत के चार महानगरों दिल्ली-मुम्बई-कोलकात्ता-चेन्नई को 6 लेन वाले महा राजमार्ग द्वारा जोड़ने की परियोजना है। इसका प्रमुख उद्देश्य बड़े शहरों के मध्य की दूरी व परिवहन का समय कम करना है।

प्र. 2. व्यापार संतुलन से आप क्या समझते है?

उत्तर- किसी देश के व्यापार संतुलन को आयात व निर्यात के अंतर द्वारा संतुलित किया जाता है। यदि आयात मूल्य और निर्यात मूल्य लगभग समान हो तो इसे व्यापार संतुलन कहते हैं।

प्र. 3. सड़क परिवहन के चार प्रमुख महत्त्व लिखिए।

उत्तर- (1) रेलवे लाइन की अपेक्षा सड़कों की निर्माण लागत बहुत कम है।

(2) अपेक्षाकृत उबड़-खाबड़ भू भागों पर सड़के बनाई जा सकती है।

(3) अपेक्षाकृत कम व्यक्तियों, कम दूरी व कम वस्तुओं के परिवहन में सड़क मितव्ययी है।

(4) यह घर-घर सेवाएँ उपलब्ध करवाता है।

प्र. 4. पाइनलाइन परिवहन क्या है?

उत्तर- पाइपलाइन परिवहन का प्रयोग कच्चा तेल, पेट्रोल उत्पाद तथा तेल से प्राप्त प्राकृतिक तथा गैस क्षेत्र से उपलब्ध गैस शोधनशालाओं, उर्वरक, कारखानों व बड़े ताप विद्युत गृहों तक पहुँचाने में किया जाता है।

प्र. 5. सीमांत सड़कों का महत्व बताएँ।

उत्तर- सामरिक दृष्टि से सीमांत सड़कों का बहुत अधिक महत्व है। इन सड़कों से दुर्गम क्षेत्रों में अभिगम्यता बढ़ी है तथा ये इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास में भी सहायक सिद्ध हुई है।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 13

सत्ता की साझेदारी

कुल अंक-4 (प्रश्न-3) (1+1+2) वस्तुनिष्ठ + अतिलघुतरात्मक + लघुतरात्मक

प्र. 1. सरकार के विभिन्न अंगों में सत्ता का बंटवारा कहलाता है-

(अ) सत्ता का क्षैतिज वितरण

(ब) सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण

(स) सत्ता का विभिन्न समूहों के मध्य वितरण

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं (अ)

प्र. 2. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

(अ) लंदन (ब) पेरिस

(स)ब्रूसेल्स (द) जिनेवा (स)

प्र. 3. श्रीलंका को स्वतंत्रता प्राप्त हुई -

(अ) 1947 में (ब) 1948 में

(स)1950 में (द) 1956 में (ब)

प्र. 4. श्रीलंका की आबादी में सबसे बड़ा हिस्सा किस प्रमुख सामाजिक समूह का है-

(अ) सिंहली (ब) भारतीय तमिल

(स)श्रीलंकाई तमिल (द) ईसाई (अ)

प्र. 5. बेल्जियम में डच भाषी क्षेत्र है-

(अ) वेलोन (ब) ब्रसेल्स

(स)फ्लेमिश (द) उपर्युक्त सभी (स)

प्र. 6. बेल्जियम में केन्द्र और राज्य सरकार के अलावा तीसरे स्तर की सरकार होती है-

(अ) पंचायती राज (ब) नगरीय सरकार

(स)अल्पमत सरकार (द) सामुदायिक सरकार (द)

प्र. 7. श्रीलंका में सिहंली भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया-

(अ) 1948 में (ब) 1956 में

(स)1968 में (द) 1976 में (ब)

प्र. 8. निम्न में से किस देश ने 1970 से 1993 के मध्य अपने संविधान में चार संशोधन किए-

(अ) श्रीलंका (ब) भारत

(स)नेपाल (द) बेल्जियम (द)

प्र. 9. लोकतांत्रिक देशों में देश में एकता तभी संभव है जब-

(अ) बहुसंख्यक समुदाय अल्पसंख्यकों पर प्रभुत्व कायम करता है।

(ब) बहुसंख्यक समुदाय अल्पसंख्यकों को सत्ता में हिस्सेदार न बनाएं।

(स)सभी समुदायों व क्षेत्रों की भावना का आदर किया जाये।

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं (स)

प्र. 10. निम्न में से किस देश के साथ बेल्जियम की सीमाएं नहीं लगती है-

(अ) ब्रिटेन (ब) फ्रांस

(स)नीदरलैड्स (द) जर्मनी (अ)

प्र. 11. किस देश में सत्ता का बंटवारा सामाजिक समूहों में होने पर सामुदायिक सरकार दिखाई देती है-

(अ) श्रीलंका (ब) बेल्जियम

(स) ब्रिटेन (द) भारत (अ)

प्र. 12. किस देश में दो समुदायों के बीच पारस्परिक अविश्वास ने बड़े टकराव का रूप ले लिया-

(अ) श्रीलंका (ब) बेल्जियम

(स) ब्रिटेन (द) भारत (अ)

प्र. 13. बेल्जियम निम्न में से किस महाद्वीप का देश है-

(अ) यूरोप (ब) उत्तरी अमेरिका

(स)एशिया (द) आस्ट्रेलिया (अ)

अतिलघुतरात्मक प्रश्न

प्र. 1. सरकार के विभिन्न अंगों के नाम लिखिए।

उत्तर - (1) विधायिका (2) कार्यपालिका (3) न्यायपालिका

प्र. 2. किस देश की सामुदायिक सरकार सत्ता के बंटवारे का अच्छा उदाहरण है।

उत्तर - बेल्जियम

प्र. 3. सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण क्या है?

उत्तर - उच्चतर एवं निम्नतर स्तर की सरकारों के मध्य सत्ता का विभाजन सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण कहलाता है।

प्र. 4. बेल्जियम की सामुदायिक सरकार और श्रीलंका की बहुसंख्यकवादी सरकार में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - बेल्जियम की सामुदायिक सरकार का चयन एक ही भाषा

Created by Universal Document Converter

बोलने वाले लोग करते है जबकि श्रीलंका की बहुसंख्यकवादी सरकार में एक समुदाय (सिंहली) का ही प्रमुख रहता है।

प्र. 5. सत्ता का क्षैतिज वितरण किसे कहते है?

उत्तर - विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच सत्ता के बंटवारे को सत्ता का क्षैतिज वितरण कहते है।

प्र. 6. नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था किसे कहते है?

उत्तर - वह व्यवस्था जिसमें सरकार का प्रत्येक अंग एक दूसरे को नियंत्रित करता है। जिससे सत्ता का संतुलन स्थापित बना रहता है।

प्र. 7. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी संघर्ष की संभावनाओं को कम करता है तथा प्रजातान्त्रिक भावनाओं के अनुकूल है।

प्र. 8. बहुसंख्यकवाद कायम करने के लिए श्रीलंका सरकार द्वारा उठाये गये एक कदम का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - 1956 में सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित करना।

प्र. 9. 1950 और 1960 के दशकों के बीच ब्रूसेल्स में दो समुदायों के बीच प्रखर समस्या क्या थी।

उत्तर - भाषाई विविधता

प्र. 10. बेल्जियम में कौन सी भाषा बोलने वाले लोग समृद्ध व ताकतवर रहे है-

उत्तर - फ्रेंच भाषी

प्र. 11. बेल्जियम को समाज की जातीय बनावट की दृष्टि से किसने भागों में बांटा जा सकता है।

उत्तर - चार क्षेत्रों में - (1) राजधानी क्षेत्र - ब्रूसेल्स (2) फ्रेंच भाषी क्षेत्र - बेलोनिया (3) डच भाषी क्षेत्र - फ्लेमिश (4) जर्मन भाषी क्षेत्र

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. 1. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूप कौन कौन से है?

उत्तर - लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के निम्न चार रूप विद्यामान है-

(1) एक ही सरकार के विभिन्न अंगों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) के मध्य सत्ता का विभाजन

(2) सरकार के विभिन्न स्तरों (केन्द्र सरकार, राज्य और स्थानीय सरकार) के मध्य सत्ता का विभाजन

(3) विभिन्न सामाजिक समूहों (धार्मिक, भाषायी पिछड़े और अल्प संख्यक समूह) के मध्य सत्ता का विभाजन

(4) विभिन्न राजनीतिक दलों, दबाव समूहों, किसानों औद्योगिक मजदूरों एवं आन्दोलनों के मध्य सत्ता का विभाजन।

प्र. 2. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों जरूरी है?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी की आवश्यकता -

(1) सामाजिक समूहों के मध्य टकराव को कम करती है। (2) यह लोकतंत्र की आत्मा है। (3) समानता की पोषक व सभी के हितों की सुरक्षा (4) व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा (5) स्थानीय स्वशासन का विकास (6) योग्य एवं कुशल शासन व्यवस्था।

प्र. 3. सत्ता की साझेदारी का क्या अर्थ हैं?

उत्तर - सत्ता की साझेदारी अलग-अलग समूहों में सत्ता के बँटवारे की प्रक्रिया है। ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। लोकतंत्र का बुनियादी सिद्धान्त है कि जनता ही सारी राजनीतिक शक्ति का स्रोत है अत: विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव को टालने के लिए सत्ता में हिस्सेदारी दे देनी चाहिए।

प्र. 4. श्रीलंका में तमिलो की प्रमुख मांगे क्या-क्या थी-

उत्तर - (1) तमिल भाषा को भी राजभाषा का दर्जा दिया जाये।

(2) शिक्षा व सरकारी सेवाओं में सिहलियों के समान अवसर प्रदान किये जाये।

(3) तमिल बहुल क्षेत्रों को स्वायत्तता प्रदान की जाये।

प्र. 5. विभिन्न सामाजिक समूहों के मध्य सत्ता के बंटवारे के कोई दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर - (1) बेल्जियम में सामुदायिक सरकार का गठन

(2) भारत में सामाजिक रूप से कमजोर समुदायों व महिलाओं को विधायिका एवं सरकारी सेवाओं में आरक्षण की व्यवस्था।

प्र. 6. बहुसंख्यकवाद से क्या तात्पर्य है? उदाहरण दे।

उत्तर - बहुसंख्यकवाद का आशय अल्पसंख्यकों की इच्छाओं और आवश्यकताओं की अवहेलना करते हुए बहुसंख्यक समुदाय को मनचाहे ढंग से शासन करने के अधिकार देने से है। उदाहरण - श्रीलंका जहां सिंहलियों का वर्चस्व है।

प्र. 7. श्रीलंका में कितने जातीय समूह के लोग रहते हैं।

उत्तर - श्रीलंका में सिंहली, श्रीलंकाई मूल के तमिल, ईसाई तथा मुसलमान जातीय समुदाय रहते है।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 14

संघवाद

कुल अंक-4 (1+3) वस्तुनिष्ठ + दीर्घउत्तरीय

प्र. 1. संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज भाषाओं की संख्या है?

(अ) 21 (ब) 20

(स)22 (द) 24 (स)

प्र. 2. निम्नलिखित में से किस राज्य को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत विशेष शक्तियां प्राप्त है?

(अ) असम (ब) नागालैण्ड

(स)मिजोरम (द) ये सभी (द)

प्र. 3. संघात्मक शासन प्रणाली में अधिकारों का विभाजन होता है?

(अ) केन्द्र एवं राज्यों के बीच

(ब) एक राज्य एवं अन्य राज्यों के बीच

(स)व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका के बीच

(द) व्यवस्थापिका एवं न्यायापालिका के बीच (अ)

प्र. 4. निम्न में से कौनसा विषय समवर्ती सूची में शामिल है?

(अ) पुलिस (ब) रक्षा

(स)कृषि (द) शिक्षा (द)

प्र. 5. नगर निगम के अध्यक्ष को कहा जाता है-

(अ) मेयर (ब) सभापति

(स)राज्यपाल (द) सरपंच (अ)

प्र. 6. शासन की किस व्यवस्था में सरकार दो या अधिक स्तरों वाली होती हैं-

(अ) एकात्मक व्यवस्था (ब) संघीय व्यवस्था

(स)सामुदायिक व्यवस्था (द) इसमें से कोई नहीं (ब)

प्र. 7. निम्नलिखित में से किस राज्य का गठन भाषा के आधार पर नहीं हुआ है-

(अ) नागालैण्ड (ब) उत्तराखण्ड

(स)झारखण्ड (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्र. 8. निम्न में से कौनसा संघीय राज्य नहीं है?

(अ) दिल्ली (ब) मणिपुर

(स)राजस्थान (द) तेलंगाना (अ)

प्र. 9. संविधान और विभिन्न स्तर की सरकारों के अधिकारों की व्याख्या करने का अधिकार किसके पास होता है-

(अ) न्यायालय (ब) प्रधानमंत्री

(स) राष्ट्रपति (द) मुख्यमंत्री (अ)

प्र. 10. साथ आकर संघ बनाने का उदाहरण है-

(अ) भारत (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका

(स) बेल्जियम (द) स्पेन (ब)

प्र. 11. निम्न में से कौनसा राज्य साथ रहकर संघ का उदाहरण नहीं है-

(अ) भारत (ब) बेल्जियम

(स) स्पेन (द) स्विट्जरलैण्ड (द)

प्र. 12. केन्द्र एवं राज्य के मध्य विधायी अधिकारों को कितने हिस्से में बाँटा गया है-

(अ) दो (ब) तीन

(स) चार (द) पाँच (ब)

प्र. 13. निम्न में से कौनसा विषय समवर्ती सूची का नहीं है-

(अ) शिक्षा (ब) वन

(स) सिंचाई (द) विवाह (स)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र. 1. संघवाद क्या है? भारत में संघवाद का स्वरूप कैसा है? बताइए।

उत्तर - संघवाद का आशय - संघवाद शासन की वह प्रणाली है जिसमें सत्ता का विभाजन केन्द्रीय प्राधिकार और सरकार की अंगीभूत इकाइयों के मध्य होता है।

भारत में संघवाद का स्वरूप - (1) राज्यों का संघ - भारत में अपनी आन्तरिक विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न राज्यों के संघ का गठन किया गया है।

(2) त्रिस्तरीय शासन व्यवस्था - भारतीय संविधान के मूल रूप से दो स्तर की शासन व्यवस्था का प्रावधान किया गया है- (i) संघ या केन्द्र सरकार (ii) राज्य सरकारें। बाद में स्थानीय शासन की संस्थाओं को तीसरे स्तर के रूप में संविधान में मान्यता दी गई।

(3) शक्तियों का विभाजन - भारतीय संविधान में स्पष्ट रूप से केन्द्र और राज्य सरकारों के मध्य विधायी अधिकारों की तीन सूचियों के द्वारा विभाजित किया गया है- (i) संघ

Created by Universal Document Converter

सूची (ii) राज्य सूची (iii) समवर्ती सूची

(4) न्यायपालिका की सर्वोच्चता - भारतीय संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका स्वतंत्र व सर्वोच्च है शक्तियों के बंटवारे के संबंध में कोई विवाद होने पर इसका फैसला सर्वोच्च न्यायालय में ही होता है।

(5) समस्त राज्यों को बराबर अधिकार प्राप्त नहीं जैसे असम, नागालैण्ड, मिजोरम को अन्य राज्यों के मुकाबले विशेष अधिकार दिये गये है।

प्र. 2. सत्ता के विकेन्द्रीकरण से क्या अभिप्राय है? विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच क्या है?

उत्तर - जब केन्द्र और राज्य सरकार से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती है तो इसे सत्ता का विकेन्द्रीकरण कहते है। भारत में संघीय सत्ता की साझेदारी तीन स्तरों पर की गई है। (1) केन्द्रीय स्तर (2) राज्य स्तर (3) स्थनीय स्तर। सत्ता के विकेन्द्रीकरण में प्रथम दो स्तरों केन्द्रीय स्तर पर राज्य स्तर से शक्तियाँ लेकर स्थानीय सरकारों को प्रदान की जाती है। भारत में स्थनीय सरकारों को सन् 1992 में संविधान संशोधन के माध्यम से अधिक शक्तिशाली बनाया गया है।

विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच -(1)विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच यह है कि अनेक मुद्दों एवं समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही अच्छे तरीके से हो सकता है। लोगों को अपने क्षेत्र की समस्याओं की अच्छी समझ होती है। लोगों को इस बात की भी जानकारी होती है कि पैसा कहाँ खर्च किया जाए और चीजों का अधिक कुशलता से उपयोग किस तरह किया जा सकता है।

(2) स्थानीय स्तर पर लोगों का नीतिगत फैसलों में सीधे भागीदार बनना भी संभव हो जाता है। इससे लोकतांत्रिक भागीदारी की आदत पड़ती है। स्थानीय सरकारों की स्थापना स्वशासन के लोकतांत्रिक सिद्धान्त को वास्तविक बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

प्र. 3. शासन के संघीय और एकात्मक स्वरूपों में क्या क्या मुख्य अन्तर है। उदाहरण से स्पष्ट करें।

उत्तर - **संघीय शासन व्यवस्था** - (1) इस शासन के स्वरूप में दो स्तरों पर सरकारें होती है तथा अपने अपने स्तर पर स्वतंत्र होकर कार्य करती है। (2) इस व्यवस्था में राज्य सरकारों को शक्तियाँ संविधान से प्राप्त होती है। (3) इस व्यवस्था में संघ और राज्य सरकारों के बीच विषयों का विभाजन होता है। (4) इस व्यवस्था में राज्य सरकारों अपने कार्यों के लिए केन्द्रीय सरकार के प्रति जिम्मेदार नहीं होती है। इस व्यवस्था में केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों को कुछ विशेष कार्य करने का आदेश नहीं दे सकती है उदाहरण - भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, बेल्जियम, कनाड़ा, ऑस्ट्रेलिया ।

एकात्मक शासन व्यवस्था - (1) इस शासन के स्वरूप में शासन का एक ही स्तर होता है तथा राज्य सरकारें उसके अधीन होकर कार्य करती है। (2) इसमें राज्य सरकारों को अपनी शक्तियाँ केन्द्रीय सरकार से प्राप्त होती है। (3) इस व्यवस्था में विषयों का विभाजन नहीं होता है। (4) इस व्यवस्था में राज्य सरकारें अपने कार्यों के लिए केन्द्रीय सरकार के प्रति जिम्मेदार होती है। (5) इस व्यवस्था में केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों को आदेश दे सकती है। उदाहरण - फ्रांस, इंग्लैण्ड, जापान, इटली, हॉलेण्ड

प्र. 4. संघवाद ने जातीय समस्या को सुलझाने में बेल्जियम की सहायता किस प्रकार की?

उत्तर - बेल्जियम यूरोप महाद्वीप का एक देश है। सन् 1993 ई. से पहले बेल्जियम में अधिकांश शक्तियां केन्द्र सरकार के हाथों में थी। प्रान्तीय सरकारों को नाममात्र के अधिकार प्राप्त थे पर ये अधिकार उनको केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए थे और इन्हें केन्द्र सरकार वापस भी ले सकती थी। अर्थात् बेल्जियम में एकात्मक सरकार थी। 1993 ई. में संविधान संशोधन करने के पश्चात् बेल्जियम में प्रान्तीय सरकारों को कुछ संवैधानिक अधिकार प्रदान किये गये। इन अधिकारों के लिए प्रान्तीय सरकारें अब केन्द्र पर निर्भर नहीं रही। इस प्रकार बेल्जियम ने एकात्मक शासन के स्थान पर संघीय शासन प्रणाली को अपनाया जिससे जातीय समस्या के समाधान में सहायता प्राप्त हुई।

प्र. 5. भारतीय संविधान में केन्द्र राज्य सरकारों के मध्य विधायी अधिकारों को कितने भागों में बांटा गया है? विवरण दीजिए।

उत्तर - विधायी अधिकारों को तीन भागों में बाँटा गया है-

संघ सूची - राष्ट्रीय महत्व के विषय केन्द्र सरकार की - प्रतिरक्षा, विदेश, बैंकिग, संचार, मुद्रा।

राज्य सूची - स्थानीय महत्व के विषय राज्य सरकारों की - पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि, सिंचाई।

समवृत्ति सूची - केन्द्र और राज्य दोनों कानून बना सकते है लेकिन टकराव की स्थिति में केन्द्र द्वारा निर्मित कानून ही मान्य होता है - शिक्षा, वन, मजदूर संघ, विवाह, उत्तराधिकार।

प्र. 6. भारत में विकेन्द्रीकरण लागू करने के औचित्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर - जब केन्द्र और राज्य सरकार से शक्तियां लेकर स्थानीय सरकारों को दी जाती है तो इसे सत्ता का विकेन्द्रीकरण कहते है। भारत में सत्ता की साझेदारी तीन स्तरों पर की गई है- (1) केन्द्रीय स्तर (2) राज्य स्तर (3) स्थानीय स्तर।

भारत में स्थानीय सरकारों को सन् 1992 में 73वें संविधान

Created by Universal Document Converter

संशोधन के माध्यम से अधिक शक्तिशाली बनाया गया है।

विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच - (1) अनेक मुद्दों एवं समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही अच्छे तरीके से हो सकता है लोगों को अपने क्षेत्र की समस्याओं की अच्छी समझ होती है। लोगों को यह जानकारी होती है कि पैसे कहां खर्च करने है और चीजों को अधिक कुशलता से कैसे उपयोग कर सकते है। (2) स्थानीय स्तर पर लोगों का नीतिगत फैसलों में सीधे भागीदार बनना भी संभव हो जाता है। स्थानीय सरकारों की स्थापना स्वशासन के लोकतांत्रिक सिद्धान्त को वास्तविक बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

प्र. 7. भारत में केन्द्र राज्य सम्बन्धों में आये बदलावों के मध्येनजर संघीय व्यवस्था में सत्ता की साझेदारी आज ज्यादा प्रभावी है। स्पष्ट करें।

उत्तर - भारत में केन्द्र-राज्य संबंधों में लगातार आये बदलावों के कारण व्यवहार में संघवाद बहुत मजबूत हुआ है और आज उनके बीच सत्ता की साझेदारी ज्यादा प्रभावी है। स्वतंत्रता के पश्चात् काफी लम्बे समय तक हमारे यहां एक ही पार्टी की केन्द्र और अधिकांश राज्यों में शासन रहा, इसका व्यवहारिक प्रभाव यह पड़ा कि राज्य सरकारों ने स्वायत्त संघीय इकाई के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग ही नहीं किया। इसके बाद जब केन्द्र और राज्य में अलग-अलग दलों की सरकारें बनी तो केन्द्र सरकार ने राज्यों के अधिकारों की अनदेखी करने की कोशिश की। उन दिनों में केन्द्र सरकार अक्सर संवैधानिक प्रावधानों का दुरूपयोग करके विपक्षी दलों की राज्य सरकारों की भंग कर देती थी। यह संघवाद की भावना के प्रतिकुल काम था।

सन् 1990 के बाद से इस स्थिति में कुछ सुधार आया। इस अवधि में देश में अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ। इसी दौर में केन्द्र में गठबंधन सरकारों की शुरूआत हुई। चूंकि किसी एक दल को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं मिला इसलिए प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों को क्षेत्रिय दलों समेत अनेक पार्टियों का गठबंधन बनाकर सरकार बनानी पड़ी इससे सत्ता में साझेदारी और राज्य सरकारों की स्वायत्ता का आदर करने की नई संस्कृति पनपी। इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों से राज्य सरकारों को मनमाने ढंग से भंग करना केन्द्र सरकार के लिए मुश्किल हो गया। इस प्रकार आज संघीय व्यवस्था के तहत सत्ता की साझेदारी संविधान के लागू होने के तत्काल बाद वाले दौर की तुलना में ज्यादा प्रभावी है।

❖❖❖

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 15

जाति धर्म और लैंगिक मसले

कुल अंक-4 (1+1+2) (वस्तुनिष्ठ + अतिलघुत्तरात्मक + लघुत्तरात्मक)

प्र. 1. निम्न में से किस देश में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागेदारी का स्तर बहुत ऊँचा है।

(अ) नार्वे (ब) स्वीडन

(स) फिनलैण्ड (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्र. 2. भारत में जनगणना कितने वर्ष पश्चात् होती है-

(अ) 5 वर्ष (ब) 10 वर्ष

(स) 11 वर्ष (द) 20 वर्ष (ब)

प्र. 3. निम्नलिखित में से किस देश ने किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अंगीकार नहीं किया।

(अ) भारत (ब) नेपाल

(स) पाकिस्तान (द) श्रीलंका (अ)

प्र. 4. निम्न में से किस समाज सुधारक ने जातिगत भेदभाव से मुक्त समाज व्यवस्था बनाने की बात की और उसके लिए काम भी किया?

(अ) ज्योतिबा फुले (ब) महात्मा गांधी

(स) डॉ. अम्बेडकर (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्र. 5. निम्न में से किस देश में समरूप समाज पाया जाता है?

(अ) स्वीडन (ब) भारत

(स) श्रीलंका (द) इंग्लैण्ड (अ)

प्र. 6. एक विचारधारा जो अधिकारों एवं अवसरों के मामले में स्त्री व पुरुष को बराबर मानती है वह है-

(अ) साम्प्रदायिक (ब) नारीवादी

(स) तानाशाही (द) जातिवादी (ब)

प्र. 7. सामाजिक विभाजन अधिकाशतः आधारित होता है-

(अ) मृत्यु पर (ब) वंश पर

(स) परिवार पर (द) जन्म पर (द)

प्र. 8. निम्न में से किस क्षेत्र की संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सर्वाधिक है-

(अ) भारत (ब) उत्तरी अमेरिकी

(स) नार्डिक देश (द) यूरोप (स)

प्र. 9. स्थानीय सरकारों में (पंचायती राज) में महिलाओं के लिए कितने पद आरक्षित किये गये हैं?

(अ) एक-चौथाई (ब) एक-तिहाई

(स) आधे (द) दो-तिहाई (ब)

प्र. 10. भारतीय संविधान के बारे में इनमें से कौनसा कथन गलत है-

(अ) यह धर्म के आधार पर भेदभाव की मनाही करता है।

(ब) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है।

(स) सभी लोगों को कोई भी धर्म मानने की आजादी देता है।

(द) किसी धार्मिक समुदाय में सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है। (ब)

प्र. 11. जब हम लैंगिक विभाजन की बात करते है तो हमारा अभिप्राय होता है-

(अ) स्त्री और पुरुष के बीच जैविक अंतर

(ब) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ

(स) बालक और बालिकाओं की संख्या का अनुपात।

(द) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में महिलाओं को मतदान का अधिकार न मिलना। (ब)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. 1. समरूप समाज किन देशों में पाया जाता है, कोई दो नाम बताइए।

उत्तर - (1) जर्मनी (2) स्वीडन

प्र. 2. नारीवादी आन्दोलन क्यों हुए?

उत्तर - पुरुष एवं महिलाओं के असमान अधिकार एवं अवसरों के कारण नारीवादी आन्दोलन हुए।

प्र. 3. सामाजिक असमानता का कौनसा रूप प्रत्येक स्थान पर दिखाई देता है?

उत्तर - लैगिंक असमानता

प्र. 4. सामाजिक विभाजन अधिकाशंतः किस पर आधारित होते है-

उत्तर - जाति-धर्म पर

प्र. 5. विवाह, तलाक, उत्तराधिकार से सम्बन्धित कानून क्या कहलाता है?

उत्तर - पारिवारिक कानून

प्र. 6. महिलाओं को घरेलू उत्पीड़न से बचाने के लिए कोई एक

Created by Universal Document Converter

तरीका सुझाइए -

उत्तर - घरेलू हिंसा अधिनियम एवं अन्य कानूनी नियमों की जानकारी देना।

प्र. 7. भारत में विभिन्न समुदायों के बीच साम्प्रदायिक सद्भावना बनाने का कोई एक तरीका सुझाइए।

उत्तर - बड़े सार्वजनिक हितों तथा धार्मिक मामलों में राज्य का हस्तक्षेप।

प्र. 8. वर्ण व्यवस्था से आप क्या समझते हो?

उत्तर - जाति समूहों के पदानुक्रम जिसमें एक जाति समूह के लोग सामाजिक पायदान में सबसे ऊपर रहेंगे और अन्य जाति समूह के लोग क्रमागत रूप से उनके नीचे रहेंगे।

प्र. 9. लैंगिक विभाजन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर - समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ।

प्र. 10. धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता यह कथन किसका है?

उत्तर - महात्मा गाँधी

प्र. 11. 2011 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात, महिला व पुरुष साक्षरता कितनी है।

उत्तर - भारत में लिंगानुपात -943, पुरुष साक्षरता - 82.14, महिला साक्षरता 65.46%।

प्र. 12. लिंग अनुपात का क्या अर्थ है?

उत्तर - किसी क्षेत्र में 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या को लिंगानुपात कहते हैं।

प्र. 13. जातिवाद से क्या आशय है?

उत्तर - जब राजनेता चुनावी लाभ के लिए जातिगत चेतना उकेरकर उसका लाभ उठाने का प्रयास करते है तो इस प्रक्रिया को जातिवाद कहा जाता है।

प्र. 14. साम्प्रदायिक राजनीति का क्या अर्थ है?

उत्तर - जब राजनीति में अन्य धर्मो की तुलना में एक धर्म की श्रेष्ठता दर्शायी जाए तो साम्प्रदायिक राजनीति कहते है।

प्र. 15. सर्वप्रथम नारीवादी आंदोलन की शुरूआत किस देश से हुई थी?

उत्तर - अमेरिका से।

लघुत्तरात्मकप्रश्न

प्र. 1. नारीवादी आन्दोलन से आप क्या समझते हो?

उत्तर - महिलाओं के राजनीतिक तथा वैधानिक दर्जे को ऊँचा उठाने के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की माँग करने तथा उनके निजी व पारिवारिक जीवन में भी बराबरी की माँग करने वाले आन्दोलनों को नारीवादी आन्दोलन कहते है।

प्र. 2. भारत में लैंगिक विषमता/लैंगिक विभाजन का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर - लैंगिक विभाजन से आशय पुरुषों एवं महिलाओं के मध्य कार्य के विभाजन से है कुछ घरेलू कार्य केवल महिलाओं द्वारा किए जाते है जबकि पुरुष कुछ विशेष प्रकार के कार्य करते है।

प्र. 3. भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता के तीन लक्षणों का उल्लेख करें।

उत्तर - (1) भारत के संविधान में किसी भी धर्म को विशेष दर्जा नहीं दिया गया है।

(2) मौलिक अधिकारों में धार्मिक स्वतंत्रता से सम्बन्धित प्रावधान है।

(3) भारतीय संविधान धर्म आधारित भेदभाव को निषेध करता है।

प्र. 4. धर्मनिरपेक्ष राज्य से आप क्या समझते है? भारत में धर्म निरपेक्ष मॉडल क्यों अपनाया?

उत्तर - धर्म निरपेक्ष राज्य वह राज्य है जिसमें नागरिकों का कोई भी धर्म अपनाने की स्वतंत्रता होती है तथा किसी भी धर्म को कोई विशेष दर्जा नहीं दिया जाता है। साम्प्रदायिकता हमारे देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। विभाजन के समय भारत पाकिस्तान में भयावह साम्प्रदायिक दंगे हुए थे। हमारे संविधान निर्माता इस चुनौती के प्रति पूर्ण रूप से सचेत थे। इस कारण उन्होंने धर्म निरपेक्ष शासन का मॉडल अपनाया।

प्र. 5. भारतीय राजनीति में जातिवाद की समस्या का उल्लेख करें।

उत्तर - भारतीय राजनीति में जाति के अनेक रूप दिखाई देते हैं यथा-

(1) उम्मीदवारों का चुनाव जातियों की संख्या के हिसाब से। (2) सरकार के गठन में जातियों को प्रतिनिधित्व देना। (3) जातिगत भावनाओं को भड़काकर वोट पाने की कोशिश। (4) जातिगत गोलबंदी और निम्न जातियों में राजनैतिक चेतना का उदय।

प्र. 6. भारत में महिलाओं को राजनीति में प्रतिनिधित्व देने की स्थिति पर अपने विचार व्यक्त करें।

उत्तर - भारत में विधायिका में महिला प्रतिनिधित्व बहुत ही कम है उदाहरण के लिए लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या पहली बार 2019 में ही 14.36 फीसदी तक पहुँची है राज्यों की विधानसभाओं में इनका प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से भी कम है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका निर्वाचित संस्थाओं में महिलाओं के लिए कानूनी रूप से आरक्षण द्वारा तय कर देना चाहिए।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 16

राजनीतिक दल

कुल अंक-5 (1+1+1+2) (वस्तुनिष्ठ + रिक्त स्थान + अतिलघुत्तरात्मक + लघुत्तरात्मक)

प्र. 1. 1980 में पुराने भारतीय जनसंघ को पुर्नजीवित करके किस दल का निर्माण किया गया-

(अ) कांग्रेस पार्टी (ब) भारतीय जनता पार्टी

(स) CPIM (द) समता पार्टी (ब)

प्र. 2. निम्न में से कौनसी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है-

(अ) राष्ट्रीय जनता पार्टी (ब) भारतीय जनता पार्टी

(स) समाजवादी पार्टी (द) समता पार्टी (ब)

प्र. 3. विश्व के सबसे पुराने राजनीतिक दलों में से एक है-

(अ) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

(ब) भारतीय जनता पार्टी

(स) बहुजन समावादी पार्टी

(द) भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी -मार्क्सवादी (अ)

प्र. 4. एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे अलग दिखाई देने वाली संस्था है-

(अ) राजनीतिक दल (ब) हित समूह

(स) दबाव समूह (द) ये सभी (अ)

प्र. 5. निम्न में से राजनीतिक दल का कार्य है-

(अ) दल चुनाव लड़ते है।

(ब) दल ही सरकार बनाते है और चलाते है।

(स) दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के समक्ष रखते है।

(द) उपर्युक्त सभी (द)

प्र. 6. इनमें से कौन बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक है?

(अ) कांशीराम (ब) साहू महाराज

(स) डॉ. अम्बेडकर (द) ज्योतिबा फूले (अ)

प्र. 7. इनमें से कौन तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक है-

(अ) ममता बनर्जी (ब) साहू महाराज

(स) डॉ. अम्बेडकर (द) कांशीराम (अ)

प्र. 8. इण्डियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना किस वर्ष हुई?

(अ) 1885 (ब) 1985

(स) 1984 (द) 1998 (अ)

प्र. 9. निम्न में से जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है-

(अ) राष्ट्रपति (ब) मुख्यमंत्री

(स) सरपंच (द) राजनीतिक दल (द)

प्र. 10. भारत में दलीय व्यवस्था है-

(अ) बहुदलीय (ब) एक दलीय

(स) गठबंधन (द) दो दलीय (अ)

प्र. 11. भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धान्त क्या है?

(अ) बहुजन समाज (ब) क्रांतिकारी लोकतंत्र

(स) सांस्कृतिक राष्ट्रवाद (द) आधुनिकता (स)

प्र. 12. भारत में कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (CPI) का गठन हुआ?

(अ) 1885 (ब) 1925

(स) 1964 (द) 1999 (ब)

प्र. 13. राजनीतिक दलों में सुधार के लिए संविधान संशोधन किया गया है।

(अ) दल बदल रोकने के लिए।

(ब) उम्मीदवारों को अपने खिलाफ चल रहे अपराधिक मुकदमों का ब्यौरा देने के लिए।

(स) सभी दलों के संगठनिक चुनाव कराने के लिए।

(द) चुनाव का खर्च सरकार द्वारा उठाने के लिए (अ)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

प्र. 1. लोकतंत्र में ..... का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है।

प्र. 2. भारतीय चुनाव आयोग ..... का पंजीकरण करता है।

प्र. 3. भारतीय जनता पार्टी की स्थापना ..... में हुई थी।

प्र. 4. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना सन् ..... में हुई थी।

प्र. 5. भारतीय ..... को पुनर्जीवित करके भारतीय जनता पार्टी का निर्माण हुआ।

प्र. 6. राजनीतिक दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को ..... के सामने रखते है।

Created by Universal Document Converter

प्र. 7. 2019 में हुए लोकसभा के चुनाव में ..... 303 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरा।

प्र. 8. 2019 के लोकसभा के चुनाव में इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी को ..... सीटें मिली।

प्र. 9. राजनीतिक दल किसी समाज के बुनियादी राजनीतिक ..... को दर्शाते है।

प्र. 10. राजनीतिक दल के तीन प्रमुख अंग है-नेता, सक्रिय सदस्य और ..... ।

प्र. 11. भारत में 2017 तक ..... दल राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त थे।

प्र.12. शिरोमणी अकाली दल का सम्बंध मुख्यत: ..... राज्य से है।

प्र. 13. समाजवादी पार्टी का संबंध मुख्यत: ..... राज्य से है।

प्र. 14. इण्डियन नेशनल लोकदल का संबंध मुख्यत: ..... राज्य से है।

प्र. 15. राष्ट्रीय लोकदल का संबंध मुख्यत: ..... राज्य से है।

प्र. 16. तेलगुदेशम पार्टी का संबंध मुख्यत: ..... राज्य से है।

उत्तर : (1)राजनीतिक दलों का (2)राजनीतिक दलों का (3)1980 (4)1885 (5)जनसंघ (6)मतदाताओं (7)भारतीय जनता पार्टी (8)52 (9)विभाजन (10)समर्थक (11)सात (12)पंजाब (13)उत्तरप्रदेश (14)हरियाणा (15)उत्तरप्रदेश (16)आंध्रप्रदेश

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. 1. राजनीतिक दलों को मान्यता, चुनाव चिन्ह आंवटन एवं पंजीकरण कौन करता है।

उत्तर - चुनाव आयोग

प्र. 2. राजनीति दल के प्रमुख अंग कौन कौन से है?

उत्तर - (1) नेता (2) सक्रिय सदस्य (3) अनुयायी या समर्थक

प्र. 3. राजनीतिक दल के कोई दो कार्य लिखिए।

उत्तर - (1) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते है। (2) राजनीतिक दल सरकार बनाते व चलाते है।

प्र. 4. राजनीतिक दलों में पक्षपात क्यों विकसित होते है?

उत्तर - राजनीतिक दल समाज के किसी एक हिस्से से सम्बन्धित होते है इसलिए उसका नजरिया समाज के उस वर्ग अथवा समुदाय विशेष की ओर झुका होता है।

प्र. 5. हमें राजनीतिक दलों की जरूरत क्यों पड़ती है, कोई एक कारण बताइये।

उत्तर - राजनीतिक दलों के अभाव में सरकार निरंकुश हो सकती है।

प्र. 6. भारतीय जनता पार्टी का मुख्य सिद्धान्त क्या है?

उत्तर - भारत की प्राचीन संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेकर मजबूत और आधुनिक भारत बनाने का लक्ष्य।

प्र. 7. राजनीतिक दलों में सुधार हेतु कोई दो सुझाव दीजिए।

उत्तर - (1) राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की स्थापना हो।
(2) चुनाव का खर्च सरकार वहन करें।

प्र. 8. अधिकांश आम नागरिकों के लिए लोकतंत्र का क्या मतलब है?

उत्तर - अधिकांश आम नागरिकों के लिए लोकतंत्र का मतलब राजनीतिक दल ही है।

प्र. 9. भारत में बहुदलीय व्यवस्था का उदय क्यों हुआ?

उत्तर - क्योंकि दो तीन राजनीतिक दल इतने बड़े देश की समस्त सामाजिक एवं भौगोलिक विविधताओं को समेट पाने में असक्षम है।

प्र. 10. लोकतंत्र में राजनीतिक दल की क्या आवश्यकता है।

उत्तर - लोकतंत्र में जवाबदेही या उत्तरदायी सरकार हेतु राजनीतिक दलों की आवश्यकता है।

प्र. 11. NDA का पूरा नाम क्या है।

उत्तर - नेशनल डेमोक्रेटिक अलॉयन्स

प्र. 12. UPA का पूरा नाम क्या है।

उत्तर - यूनाइटेड प्रोग्रेसिव अलॉयन्स

प्र. 13. राजनीतिक दल किसे कहते है?

उत्तर - लोगों का एक समूह जो चुनाव लड़ने और सरकार में सत्ता संभालने के लिए एक साथ आते हैं उन्हें राजनीतिक दल कहा जाता है।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. 1. हमारे देश के प्रान्तीय दलों ने किस प्रकार संघवाद तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में योगदान दिया है?

उत्तर - हमारे देश में पिछले तीन दशकों से प्रान्तीय दलों की संख्या व ताकत में वृद्धि हुई है। राज्यों में प्रान्तीय दलों की स्थिति मजबूत होने के कारण राष्ट्रीय राजनीतिक दल इनके साथ गठबंधन बनाने के लिए बाध्य हुए है। सन् 1996 ई. के पश्चात् से लगभग प्रत्येक प्रान्तीय दल को राष्ट्रीय स्तर पर बनने वाली गठबंधन सरकार में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ है। इससे हमारे देश में संघवाद और लोकतंत्र मजबूत हुआ है।

Created by Universal Document Converter

प्र. 2. भारत में राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर एवं क्षेत्रीय दल की मान्यता के क्या मापदण्ड है?

उत्तर - **राष्ट्रीय दल** - यदि कोई दल लोकसभा चुनाव में पड़े कुल वोटों का अथवा चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में पड़े कुल वोटों का 6 प्रतिशत प्राप्त करता है और लोकसभा चुनाव में कम से कम 4 सीटों पर जीत दर्ज करता है तो उसे राष्ट्रीय दल की मान्यता प्राप्त हो जाती है। कुल 7 राष्ट्रीय दल है। (2019)

क्षेत्रीय दल - जब कोई पार्टी राज्य विधानसभा के चुनाव में पड़े कुल मतों का 6 प्रतिशत और कम से कम दो सीटों पर जीत दर्ज करें।

प्र. 3. राजनीतिक दल जनमत एवं कानून निर्माण में किस प्रकार निर्णायक भूमिका निभाते है?

उत्तर - जनमत निर्माण में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। वे मुद्दों को उठाते है एवं उन पर बहस करते है। विभिन्न दलों के लाखों कार्यकर्ता देशभर में बिखरे होते है। कई बार राजनीतिक दल लोगों की समस्याओं को लेकर आन्दोलन भी करते है। सामान्यता विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा रखी जाने वाली राय के आसपास ही समाज के लोगों की राय बनती चली जाती है।

प्र. 4. राजनीतिक दल कैसे सरकार बनाते है और चलाते है व्याख्या करें।

उत्तर - जब चुनाव समाप्त हो जात है तो वह दल जिसे सर्वाधिक सीटें प्राप्त होती है। उसे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है। सरकार नीतियाँ व कार्यक्रमों का निर्माण करती है। ये निर्णय मंत्रियों द्वारा ही लागू किये जाते है। राजनीतिक दल नेताओं की नियुक्ति करते है। उन्हें राजनीति में प्रशिक्षित करते है और फिर दल के सिद्धान्तों व कार्यक्रम के अनुसार फैसले करने के लिए उन्हें मंत्री बनाते है ताकि वे पार्टी की इच्छा के अनुसार सरकार चला सके।

प्र. 5. राजनीतिक दल कानून निर्माण में किस प्रकार निर्णायक भूमिका निभाते है?

उत्तर - राजनीतिक दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका का निर्वाह करते है। कानूनों पर औपचारिक ढंग से बहस होती है और उन्हें विधायिका में पारित करवाना पड़ता है। विधायिका दलों द्वारा ही बनायी जाती है, लेकिन विधायिका के अधिकांश सदस्य किसी न किसी दल के सदस्य होते है। इस कारण वे अपने दल के नेता के निर्देश पर कानून निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वाह करते है।

प्र. 6. राजनीतिक दलों में सुधार में कोई दो बिन्दुओं का उल्लेख करें।

उत्तर - (1) दल बदल पर रोक लगाने के संविधान संशोधन किया गया है। (52वाँ) (2) चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा सम्पत्ति, अपराध व शिक्षा के संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत करना।

प्र. 7. राजनीतिक दल के कोई चार कार्यों का उल्लेख करें।

उत्तर - (1) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते है।
(2) नीतियों और कार्यक्रमों को जनता के समक्ष रखते है।
(3) राजनीतिक दल सरकार बनाते व चलाते है।
(4) कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते है।

प्र. 8. विश्व में कितने प्रकार की दलीय व्यवस्था पाई जाती है।

उत्तर - (1) एक दलीय व्यवस्था (2) द्विदलीय व्यवस्था (3) बहुदलीय व्यवस्था।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 17

लोकतंत्र के परिणाम

कुल अंक-03 (रिक्त स्थान - 1 अंक, लघुत्तरात्मक-2 अंक)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

प्र. 1. लोकतंत्र में शासन की अन्तिम शक्ति ..... के हाथों में होती है।

प्र. 2. आर्थिक समृद्धि के मामले में तानाशाही शासन व्यवस्था वाले देशों का रिकॉर्ड ..... है।

प्र. 3. ..... के अधिकार के तहत सरकारी कामकाज के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

प्र. 4. लोकतांत्रिक सरकारों में फैसले लेने में तानाशाही की तुलना में ..... समय लगता है।

प्र. 5. गैर लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ आमतौर पर अपने अदंरूनी सामाजिक मतभेदों को ..... की कोशिश करती है।

प्र. 6. लोकतांत्रिक व्यवस्था ..... समानता पर आधारित होती है।

प्र. 7. शासन की वह व्यवस्था जिसमें शासन की शक्ति एक व्यक्ति के हाथों में हो ..... शासन व्यवस्था कहलाती है।

प्र. 8. व्यक्ति की..... और ..... के मामले में लोकतांत्रिक व्यवसीा किसी भी अन्य शासन प्रणाली से काफी आगे है।

प्र. 9. भारत के ..... प्रतिशत लोग मानते हैं कि सरकार की चाल ढाल पर उनके वोट का असर पड़ता है।

प्र. 10. वास्तविक जीवन में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ ..... असमानताओं को कम करने में ज्यादा सफल नहीं हो पाई है।

प्र. 11. सैद्धान्तिक रूप में तो लोकतंत्र को अच्छा माना जाता है पर ..... में इसे इतना अच्छा नहीं माना जाता।

प्र. 12. ..... में इस बात की पक्की व्यवस्था होती है कि फैसले कुछ कायदे कानून के अनुसार होंगे।

प्र. 13. सामाजिक अंतर विभाजन और टकरावों को सँम्भालना निश्चित रूप से ..... व्यवस्थाओं का एक बड़ा गुण हैं।

प्र. 14. वैध शासन व्यवस्था के मामले में ..... शासन व्यवस्था निश्चित रूप से अन्य शासनों से बेहतर है।

उत्तर- (1) जनता, (2) अच्छा, (3) सूचना, (4) ज्यादा, (5) दबाने, (6) राजनीतिक, (7) तानाशाही, (8) गरिमा, आजादी, (9) 67, (10) आर्थिक, (11) व्यवहार, (12) लोकतंत्र, (13) लोकतांत्रिक, (14) लोकतांत्रिक

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. 1. लोकतांत्रिक सरकारें अन्य प्रकार की सरकारों से किस प्रकार बेहतर है-

उत्तर - निम्नलिखित कारणों से लोकतंत्र अन्य प्रकार की सरकारों से बेहतर है-(1) लोकतंत्र नागरिकों के बीच समानता व व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है। (2) लोकतंत्र निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है। (3) लोकतंत्र प्रतिस्पर्धी रवैया विकसित करता है। (4) लोकतंत्र जवाबदेह, उत्तरदायी और वैध सरकार प्रदान करता है।

प्र. 2. लोकतंत्र एक जवाबदेह, उत्तरदायी और वैध सरकार का निर्माण कैसे करता है?

उत्तर - लोकतंत्र में निर्णय निर्माण में जनता की अप्रत्यक्ष भागेदारी होती है। निर्णय निर्धारित मानदण्डों एवं प्रक्रिया के अनुसार किये जाते है जो निर्णयों को लोगों के लिए अधिक स्वीकार्य बनाते है। इसमें निष्पक्ष व नियमित चुनाव होते है तथा सूचनाओं को साझा किया जाता है।

प्र. 3. आर्थिक संवृद्धि और विकास की दृष्टि से लोकतांत्रिक शासन का मूल्यांकन कीजिये।

उत्तर - आर्थिक संवृद्धि और विकास के मामले में विकसित देशों में तानाशाहीयों का रिकार्ड अपेक्षाकृत बेहतर है लेकिन तानाशाही वाले कम विकसित देशों और लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले कम विकसित देशों के बीच का अन्तर नगण्य सा है इस मामले में लोकतांत्रिक देश तानाशाही वाले देशों में पिछड़े नहीं है।

प्र. 4. 'वास्तविक जीवन में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ आर्थिक असमानताओं को कम करने में अधिक सफल नहीं हो पाई है' स्पस्ट करें।

Created by Universal Document Converter

उत्तर - लोकतांत्रिक व्यवस्था राजनीतिक समानता पर आधारित होती है लेकिन लोकतंत्र में आर्थिक समानता की स्थापना नहीं हो पाती है। मुठ्ठीभर धन कुबेर आय और सम्पत्ति में अपने अनुपात से ज्यारा हिस्सा पाते है। समाज के सबसे निचले हिस्से के लोगों को जीवन बसर करने के लिए काफी कम साधन मिलते हैं और बुनियादी जरूरते पूरा करने में मुश्किल आती है।

प्र. 5. ''लोकतंत्र असफल रहा'' कोई चार नकारात्मक परिणाम लिखिए।

उत्तर - (1) भ्रष्टाचार (2) लोगों की आवश्यकताओं की ओर कम ध्यान देना। (3) असमानता एवं गरीबी में वृद्धि (4) आर्थिक संवृद्धि एवं विकास की कमी।

प्र. 6. पारदर्शिता का अर्थ बताते हुए लोकतंत्र में पारदर्शिता के लाभ लिखे।

उत्तर - लोकतंत्र में फैसले नियम कानूनों के अनुसार होते है तथा नागरिकों को यह जानने का अधिकार होता है तथा उसके पास इसके साधन भी उपलब्ध है। इसे ही पादर्शिता कहते है। लोकतंत्र में पारदर्शिता से सरकार की लोगों के प्रति जवाबदेही बढ़ती है। सरकार द्वारा गलत फैसले लेने की सम्भावना कम रहती है और लोगों का विश्वास बढ़ता है।

प्र. 7. पूरे विश्व में लोकतंत्र के विकास के विभिन्न तरीकों का वर्णन करें।

उत्तर - पूरे विश्व में लोकतंत्र के विकास के तरीके निम्नलिखित है- (1) दुनिया के लगभग 100 से अधिक देश लोकतांत्रिक व्यवस्था चलाने का दावा करते है। इनका औपचारिक संविधान है, चुनाव होते है एवं राजनीतिक दल है। (2) विभिन्न देशों के आन्दोलन के परिणाम स्वरूप लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया गया है। (3) कुछ देशों के किसी विशेष समस्या के कारण में आन्दोलन हुए। (4) कुछ देशों ने सत्ता में जनता की भागेदारी के लिए अपनाया।

❖❖❖

@SHEKHAWAT IMISSION100

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 18

विकास

कुल अंक-3 (रिक्त स्थान -1 अंक + लघुत्तरात्मक - 2 अंक)

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. **औसत आय को ..... आय भी कहा जाता है।**
2. **N.S.S.O. का पूरा नाम ..... है।**
3. **भारत में राष्ट्रीय आय की गणना का कार्य ..... द्वारा किया जाता है।**
4. **किसी वर्ष में पैदा हुए ..... जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु से पहले मर जाने वाले बच्चों के अनुपात को शिशु मृत्यु दर कहा जाता है।**
5. **..... और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात साक्षरता दर कहलाती है।**
6. **HDI का अर्थ है.....।**
7. **..... द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट देशों की तुलना लोगों के शैक्षिक स्तर, उनकी स्वास्थ्य स्थिति और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर करती है।**
8. **देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर ..... निकाली जाती है।**
9. **कच्चा तेल ..... संसाधन है।**
10. **भूमिगत जल ..... संसाधन है।**
11. **..... में गिरावट के परिणाम राष्ट्रीय और राज्य सीमाओं का ख्याल नहीं करते।**
12. **..... एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें लोगों के आर्थिक स्तर में मात्रात्मक एवं गुणात्मक सुधार हो जिससे जीवन स्तर ऊँचा हो।**

उत्तर - (1) प्रति व्यक्ति आय, (2) राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, (3) केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, (4) 1000, (5) 7 वर्ष, (6) मानव विकास सूचकांक, (7) U.N.D.P., (8) औसत आय/प्रति व्यक्ति आय, (9) गैर नवीकरणीय, (10) नवीकरणीय, (11) पर्यावरण, (12) विकास

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. विकास के लिए धारणीयता (सतत पोषणीय) महत्वपूर्ण क्यों है स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- विकास का वह स्तर जो भावी पीढ़ी पर बिना बोझ डाले प्राप्त किया जाता है सतत् विकास अथवा धारणीय विकास कहलाता है।

1. तीव्र आर्थिक विकास से प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन से प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो जायेंगे जिससे भविष्य में सभी देशों का विकास खतरे में पड़ जायेगा।

2. तीव्र औद्योगिकीकरण से पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचाता है जो प्रदूषण का कारण बनते है एवं भविष्य में प्राकृतिक संतुलन को बाधित करते है।

प्र. 2. भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्त्रोतों का प्रयोग किया जाता है? इसकी भविष्य में क्या संभावनाएं हो सकती है।

उत्तर- परम्परागत स्त्रोत (1) कोयला (2) खनिज तेल (3) प्राकृतिक गैस (4) विद्युत

गैर पम्परागत स्त्रोत (1) पवन ऊर्जा (2) सौर ऊर्जा (3) बायो गैस (4) भूतापीय ऊर्जा (5) ज्वारीय ऊर्जा

बढ़ते जनसंख्या के दबाव एवं प्राकृतिक संसाधनों के निरन्तर दोहन के कारण पेट्रोलियम एवं संबंद्ध उत्पादों की मांग बढ़ेगी, पूर्ति कम होने के कारण इन उत्पादों के मूल्यों में निरन्तर वृद्धि के कारण इनका आयात महंगा होगा। फलस्वरूप भुगतान असंतुलन की स्थिति पैदा होगी। अत: नये-नये ऊर्जा स्त्रोतों को खोजना होगा तथा ऊर्जा के गैर परम्परागत स्त्रोतों पर निर्भरता बढ़ेगी।

प्र. 3. मानव विकास सूचकांक का महत्व बताइए।

उत्तर- मानव विकास सूचकांक का महत्व निम्नलिखित है-

(1) यह देश के विकास के स्तर का संकेत देता है।

(2) इसके माध्यम से जीवन प्रत्याशा, साक्षरता एवं वास्तविक प्रति व्यक्ति आय की जानकारी मिलती है।

(3) यह विभिन्न देशों में मानव विकास की दशा एवं दिशा को बतलाता है।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 19

भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

कुल अंक-5 (1+1+3) वस्तुनिष्ठ+अतिलघुत्तरात्मक + दीर्घउत्तरीय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्र. 1. एक वस्तु का अधिकाशतः प्राकृतिक प्रक्रिया से उत्पादन ..... क्षेत्रक की गतिविधि है।

(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक

(स) तृतीयक (द) सूचना प्रौद्योगिकी

प्र. 2. किसी वर्ष में उत्पादित ..... के कुल मूल्य को स.घ.उ. कहते है।

(अ) सभी वस्तुओं और सेवाओं

(ब) सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

(स) सभी मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं

(द) सभी मध्यवर्ती एवं अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

प्र. 3. तृतीयक क्षेत्रक को अन्य नाम से जाना जाता है।

(अ) कृषि एवं सहायक क्षेत्रक

(ब) औद्योगिक क्षेत्रक

(स) सेवा क्षेत्रक (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

प्र. 4. अर्थव्यवस्था के द्वितीयक क्षेत्र का उदाहरण है-

(अ) डेयरी (ब) व्यापार

(स) इस्पात बनाना (द) परिवहन

प्र. 5. सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक ..... के आधार पर विभाजित है।

(अ) रोजगार की शर्ते

(ब) आर्थिक गतिविधि के स्वभाव

(स) उद्यमों के स्वामित्व

(द) उद्यम में नियोजित श्रमिकों की संख्या

प्र. 6. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्रक के श्रमिकों में अधिकांशतः बेरोजगारी पाई जाती है।

(अ) पूर्ण बेरोजगारी (ब) अल्प बेरोजगारी

(स) खुली बेरोजगारी (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

प्र. 7. स.घ.उ. का पूरा नाम है-

(अ) शुद्ध घरेलू उत्पाद (ब) सकल घरेलू उत्पाद

(स) सम्पूर्ण घरेलू उत्पाद (द) उपर्युक्त सभी

प्र. 8. सार्वजनिक क्षेत्र का उदाहरण है-

(अ) टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी

(ब) रिलायंस इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

(स) डाकघर (द) एयरटेल

उत्तर - (1) अ, (2) ब, (3) अ, (4) स, (5) स, (6) ब (7) ब, (8) स

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. सकल घरेलू उत्पाद किसे कहते है?

उत्तर- किसी देश के भीतर किसी विशेष वर्ष में उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का योग सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है।

प्र. 2. बेरोजगारी किसे कहते है?

उत्तर- जब प्रचलित मजदूरी पर काम करने के इच्छुक व सक्षम व्यक्तियों को कोई कार्य उपलब्ध नहीं हो तो ऐसी स्थिति बेरोजगारी कहलाती है।

प्र. 3. सार्वजनिक क्षेत्र से आप क्या समझते है?

उत्तर- उत्पादन के साधनों पर सरकार का स्वामित्व, प्रबन्धन एवं नियंत्रण होता है।

प्र. 4. मध्यवर्ती वस्तुएँ किसे कहते है?

उत्तर - वे उत्पादित वस्तुएँ जिनका प्रयोग उत्पादक कच्चे माल के रूप में उत्पादन की प्रक्रिया में करता है अथवा उन्हें फिर से बेचने के लिए खरीदा जाता है।

प्र. 5. संगठित क्षेत्र से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- वे उद्यम अर्थात् कार्य स्थान आते है जहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है काम सुनिश्चित होता है और सरकारी नियमों व विनियमों का पालन किया जाता है।

प्र. 6. द्वितीयक क्षेत्र की गतिविधियों के कोई दो उदाहरण दीजिए-

उत्तर- इसमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली द्वारा अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। जैसे - 1. कपास से कपड़ा, 2. गन्ने से चीनी।

प्र. 7. तृतीयक क्षेत्र को सेवा क्षेत्र क्यों कहा जाता है?

उत्तर- क्योंकि इसके अन्तर्गत सभी सेवाओं वाले व्यवसाय सम्मिलित है। जैसे - परिवहन, संचार, व्यापार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य

Created by Universal Document Converter

प्रबन्धन आदि।

प्र. 8. मनरेगा का पूरा नाम लिखिए।

उत्तर- महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम, 2005।

प्र. 9. प्रच्छन/छिपी हुई बेरोजगारी किसे कहते हैं?

उत्तर- जब किसी कार्य में आवश्यकता से अधिक व्यक्ति संलग्न रहते है तो उसे छिपी हुई अथवा प्रच्छन बेरोजगारी कहा जाता है। इनमें कुछ लोगों में वहाँ से स्थानान्तरित कर दिया जाए तो भी कुछ उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न -

प्र. 1. असंगठित एवं संगठित क्षेत्रक में अन्तर स्पष्ट करें-

उत्तर- 1. असंगठित क्षेत्र से आशय उन छोटी-मोटी एवं बिखरी इकाइयों से है जो अधिकांशत: राजकीय नियंत्रण से बाहर होती है। जबकि संगठित क्षेत्रक उस सद्यम या कार्य के स्थान से है, जहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है। सरकारी नियमों व विनियमों का पालन करना होता है।

2. असंगठित क्षेत्रक में रोजगार की शर्तें अनियमित होती है जबकि संगठित क्षेत्रक में रोजगार की शर्तें नियमित होती है।

3. असंगठित क्षेत्रक में श्रमिक दैनिक मजदूरी प्राप्त करते है जबकि संगठित क्षेत्रक में कर्मचारी व श्रमिक नियमित रूप से मासिक वेतन प्राप्त करते है।

प्र. 2. अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रकों का संक्षिप्त वर्णन करते हुए सोदाहरण बताइए कि तृतीयक क्षेत्रक अन्य क्षेत्रों से भिन्न कैसे है?

उत्तर- अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रक निम्नलिखित है-

(1) प्राथमिक क्षेत्र - जब हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किसी वस्तु का उत्पादन करते है तो इसे प्राथमिक क्षेत्रक की गतिविधियां कहा जाता है। प्राथमिक क्षेत्रक को कृषि एवं सहायक क्षेत्रक भी कहा जाता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार की दृष्टि से प्राथमिक क्षेत्रक की भूमिका अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है। उदाहरण - गेहूँ की खेती, मछली पालन, वनोपज इकट्ठा करना, खानों से खनिजों का उत्खनन, पशुपालन आदि।

(2) द्वितीयक क्षेत्रक - इस क्षेत्रक के अन्तर्गत वे क्रियाएं सम्मिलित होती है जिनमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रक्रिया के माध्यम से अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। इस क्षेत्रक में वस्तुएँ सीधे प्रकृतिक से उत्पादित नहीं होती है बल्कि निर्मित की जाती है इसलिए विनिर्माण की प्रक्रिया अपरिहार्य है। यह प्रक्रिया किसी कारखाने अथवा घर में संचालित की जा सकती है। इस क्षेत्रक को औद्योगिक क्षेत्रक भी कहा जाता है। उदाहरण - फर्नीचर उद्योग, कागज निर्माण उद्योग, सूती वस्त उद्योग, लोहा व इस्पात उद्योग, इंजीनियरिंग उद्योग आदि।

(3) तृतीयक क्षेत्रक - प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्रक के अतिरिक्त अन्य समस्त गतिविधियों को तृतीयक क्षेत्रक में सम्मिलित किया जाता है। इसके अन्तर्गत वे क्रियाएं आती है जो प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रकों के विकास में मदद करती है ये गतिविधियाँ स्वत: वस्तुओं का उत्पादन नहीं करती है बल्कि उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग करती है। इस क्षेत्रक में विभिन्न गतिविधियाँ वस्तुओं की बजाय सेवाओं का सृजन करती है। इसलिए इस क्षेत्रक को सेवा क्षेत्रक भी कहा जाता है। उदाहरण - अध्यापक, डॉक्टर, दूरसंचार, शिक्षा, रेलवे आदि।

तृतीय क्षेत्रक अन्य क्षेत्रों से भिन्न तथा एक-दूसरे पर परस्पर निर्भर - जैसा की उपर्युक्त विवरण में बताया गया है कि प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र तथा तृतीयक क्षेत्रक में कौन-कौन सी आर्थिक गतिविधियाँ सम्पन्न होती है।

तृतीयक क्षेत्रक को सेवा क्षेत्रक भी कहा जाता है क्योंकि इसमें परिवहन, संचार, बीमा, बैंकिंग, भण्डारण व व्यापार आदि से सम्बन्धित सेवाएं प्रदान करता है। प्राथमिक एवं द्वितीय क्षेत्रक वस्तुएं उत्पादित करते है जबकि यह क्षेत्र अपने आप में कोई वस्तु उत्पादित न करके इन दोनों क्षेत्रकों के विकास में सहयोग होता है। उदाहरणार्थ- प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्रकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को बेचने के लिए ट्रेक्टर, ट्रकों एवं रेलगाड़ी द्वारा परिवहन की जरूरत पड़ती है। इन वस्तुओं को कभी-कभी गोदाम या शीतगृह में भण्डारण की भी आवश्यकता होती है। इस प्रकार परिवहन, भण्डारण, संचार एवं बैंकिंग प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्रकों के विकास में सहायक एवं एक-दूसरे पर परस्पर निर्भर है।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

अध्याय 20

मुद्रा एवं साख

कुल अंक-5 (1+4) वस्तुनिष्ठ + निम्बन्धात्मक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्र. 1. स्वयं सहायता समूह का लाभ है-

(अ) सदस्यों को कम ब्याज पर छोटे कर्ज मिलना।

(ब) कर्जदारों को ऋणाधार की कमी की समस्या से उबारना।

(स) सदस्यों को एक आम मंच मिलना जहाँ सामाजिक विषयों पर चर्चा हो सके।

(द) उपर्युक्त सभी

प्र. 2. निम्न में जो अनोपचारिक उधारदाता नहीं है, वह है-

(अ) साहूकार (ब) सहकारी समिति

(स) व्यापारी (द) रिश्तेदार

प्र. 3. कर्ज लेने के लिए कर्जदार निम्नलिखित में से किसका उपयोग गारण्टी देने के लिए करता है-

(अ) करेंसी नोट (ब) चैक

(स) साख (द) समर्थक ऋणाधार

प्र. 4. निम्नलिखित में से कौन-सी संस्था ऋणों के औपचारिक स्रोतों की कार्यप्रणाली पर नजर रखती है-

(अ) भारतीय स्टेट बैंक

(ब) सैंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया

(स) भारतीय रिजर्व बैंक

(द) ग्रामीण बैंक

प्र. 5. स्वयं सहायता समूह का सम्बन्ध है-

(अ) ग्रामीण लोगों का समूह जो ऋण के क्षेत्रक में मिलकर काम करते है।

(ब) अमीर लोगों का समूह जो मिलकर काम करते है।

(स) एक औपचारिक ऋण क्षेत्रक

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

प्र. 6. बैंक के कार्य है-

(अ) जनता की जमाएं स्वीकार करना

(ब) जनता को ऋण प्रदान करना

(स) जनता की जमा धन पर ब्याज देना तथा ऋण पर ब्याज लेना।

(द) उपर्युक्त सभी

प्र. 7. ग्रामीण बैंक के संस्थापक एवं 2006 में शांति के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति था?

(अ) अर्मत्य सैन (ब) डॉ. स्वामीनाथन

(स) प्रो. मोहम्मद युनुस (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (1) (द), (2) (ब), (3) (द), (4) (स), (5) (अ), (6) (द), (7) स

निम्बन्धात्मक प्रश्न -

प्र. 1. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए?

(1) वस्तु विनियम के दोष (2) मुद्रा के कार्य

उत्तर- (1) आवश्यकताओं का दोहरा सयोग वस्तु विनिमय प्रणाली में देखने को मिलता है वस्तु विनिमय प्रणाली में मुद्रा का उपयोग किए बिना वस्तुओं का विनिमय होता है। वस्तु विनिमय प्रणाली में ऐसे व्यक्ति को ढूंढ़ता है जो उसकी अतिरिक्त वस्तु लेकर उसे इच्छित वस्तु दे देवे। उदाहरण के लिए किसान गेहूँ बेचकर जूते खरीदना चाहता है तो उसे ऐसा व्यक्ति ढूंढ़ना पड़ेगा जो उससे गेहूँ लेकर जूते दे देवे। यह वस्तु विनिमय प्रणाली कठिनाई अर्थात् दोष है। अत: मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे सयोग की जरूरत को समाप्त कर देती है।

(2) मुद्रा मूल्य के मापन का कार्य करती है। मुद्रा के रूप में विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य का निर्धारण किया जा सकता है। मुद्रा विनियम का एक माध्यम है। यह आसानी से स्वीकार्य है। जिस व्यक्ति के पास मुद्रा होती है वह इसका विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से कर सकता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति भुगतान मुद्रा के रूप में लेना पसन्द करता है। उदाहरण - एक किसान बाजार में गेहूँ बेचकर घरेलू आवश्यकताओं की वस्तुएँ खरीदने के लिए गेहूँ से प्राप्त मुद्रा का प्रयोग करेगा।

प्र. 2. स्वयं सहायता समूह क्या है? स्वयं सहायता समूहों की कार्यविधि को विस्तार से बताइए।

उत्तर- (1) स्वयं सहायता समूह गरीबों के लिए स्वपोषित वित्त व्यवस्था है इसमें एक विचार ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों विशेषकर महिलाओं को छोटे-छोटे स्वयं सहायता समूहों में संगठित करने एवं उनकी बचत पूँजी को एकत्रित करने पर आधारित है।

स्वयं सहायता समूह में एक दूसरे के पड़ोसी 15 से 20 सदस्य

Created by Universal Document Converter

होते है जो नियमित रूप से मिलते है तथा बचत करते है जिसका उद्देश्य बचत पूंजी को एकत्रित कर अपने समूह के सदस्यों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाना तथा प्रतिव्यक्ति बचत अपनी क्षमता के अनुसार प्रतिव्यक्ति आय के अनुसार करता है एक या दो वर्ष पश्चात् SHG समूह बैंक से ऋण लेने योग्य हो जाते है जिसका उद्देश्य बैंकों द्वारा ऋण समूह के नाम पर दिया जाता है। जिसका सदस्यों को स्वरोजगार के अवसरों का सृजन करना है। इनकी सबसे बड़ी विशेषता महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा सामाजिक विषयों के प्रति चर्चा करते हुए एक समाज को एक नई दिशा प्रदान करना है।

प्र. 3. भारत की अर्थव्यवस्था में बैंक किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- भारत में भारतीय रिजर्व बैंक केन्द्र सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है। मुद्रा के आधुनिक रूपों में करेंसी में कागज के नोट एवं सिक्कों को सम्मिलित किया गया है।

बैंक के कार्य अथवा भारत की अर्थव्यवस्था में बैंकों की भूमिका –

(1) जमा राशि को स्वीकार करना – बैंक जनता से जमा स्वीकार करते हैं। लोग अपनी नकदी को सुविधा के लिए बैंकों के बचत जमा खाता, सावधि जमा खाता, चालू खाता आदि में जमा कराते है। बैंक इन जमाओं पर ब्याज भी देता है। इस तरह लोगों का धन बैंक के पास सुरक्षित रहता है।

(2) ऋण प्रदान करना – बैंक अपने पास जमा रकम का एक छोटा हिस्सा नकद के रूप में रखकर शेष राशि का ऋण जनता को उधार देते है। जो नकद कोषानुपात पर निर्भर करता है।

(3) पूँजी निर्माण – बैंक लोगों की बचतों को संग्रह करते है तथा उसे अन्य उत्पादक क्रियाओं में निवेश करते है। इस प्रकार बैंक देश में पूँजी निर्माण को प्रोत्साहित करते है तथा आर्थिक विकास की दर को तीव्र करते है।

(4) लॉकर सुविधाएँ – बैंक लोगों को अपनी मूल्यवान वस्तुओं एवं महत्वपूर्ण कागजातों को सुरक्षित रख सकते है।

उपर्युक्त कार्यों के आधार पर बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में मील का पत्थर साबित हुए है।

❖❖❖

@SHEKHAWATIMISSION100

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 21

वैश्वीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था

कुल अंक-5 (1+1+1+2) वस्तुनिष्ठ + रिक्त स्थान + अतिलघुत्तरात्मक + लघुत्तरात्मक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्र. 1. विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है-

(अ) उदारीकरण (ब)निजीकरण

(स) राष्ट्रीयकरण (द) वैश्वीकरण

प्र. 2. वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के दबाव में सबसे अधिक प्रभावित कौन हुए है?

(अ) बहुराष्ट्रीय कम्पनियां (ब)श्रमिक

(स) भूस्वामी (द) सभी

प्र. 3. विदेशी व्यापार किनके मध्य होता है?

(अ) दो देशों के मध्य (ब)दो नगरों के मध्य

(स) दो गाँवों के मध्य (द) दो प्रदेशों के मध्य

प्र. 4. एक ऐसा संगठन जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना है-

(अ) विश्व स्वास्थ्य संगठन

(ब) विश्व व्यापार संगठन

(स) संयुक्त राष्ट्र संघ

(द) ये सभी

प्र. 5. वैश्वीकरण से सर्वाधिक लाभान्वित हुए है-

(अ) ग्रामीण मजदूर

(ब) शहरी शिक्षित व्यक्ति

(स) धनी वर्ग के उपभोक्ता

(द) ये सभी

प्र. 6. फोर्ड मोटर्स कम्पनी किस देश की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है-

(अ) भारत (ब) चीन

(स) अमेरिका (द) द.कोरिया

उत्तर- (1) (द), (2) (ब), (3) (अ), (4) (ब), (5) (स), (6) (स)

रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

प्र. 1. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किए गए निवेश को ..... निवेश कहते है।

प्र. 2. ..... में तीव्र उन्नति ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया है।

प्र. 3. परिसम्पत्तियों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा ..... कहलाती है।

प्र. 4. सरकार द्वारा व्यापार से अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया ..... कहलाती है।

प्र. 5. ..... का मुख्य उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तौर-तरीकों को सरल बनाना है।

प्र. 6. भारत की बहुराष्ट्रीय कम्पनी रैन बैक्सी का संबंध ..... के उत्पादन से है।

उत्तर- (1) विदेशी निवेश (2) तकनीकी (3) निवेश (4) उदारीकरण (5) विश्व व्यापार संगठन (6) दवाईयाँ

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. भारत में कार्यरत दो बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के नाम बताइये?

उत्तर- (1) हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड (2) कोका-कोला

प्र. 2. विदेशी निवेश किसे कहा जाता है?

उत्तर- बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किये गए निवेश को विदेशी निवेश कहा जाता है।

प्र. 3. वैश्वीकरण किसे कहते हैं?

उत्तर- विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण कहलाती है।

प्र. 4. बहुराष्ट्रीय कम्पनी किसे कहते है?

उत्तर- वह कम्पनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है, बहुराष्ट्रीय कम्पनी कहलाती है।

प्र. 5. निवेश क्या हैं?

उत्तर- परिसम्पत्तियों, जैसे - भूमि, भवन, मशीन व अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की मुद्रा को निवेश कहते है।

प्र. 6. व्यापार अवरोधक से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- विदेशों से होने वाले आयात पर लगने वाले प्रतिबन्ध व्यापार अवरोधक कहलाते है, जैसे आयात कर, कोटा

लघुत्तरात्मक प्रश्न -

प्र. 1. भारत में वैश्वीकरण के किन्हीं दो प्रभावों को समझाइए।

उत्तर- (1) वैश्वीकरण में भारतीय उत्पादकों को वस्तुओं और सेवाओं के अनेक विकल्प मिले तथा भारतीय उपभोक्ताओं को कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं की प्राप्ति होती है।

Created by Universal Document Converter

उपभोक्ता को विश्वस्तरीय वस्तुएं एवं सेवाएं उपलब्ध हुई।

(2) वैश्वीकरण के फलस्वरूप भारत में विदेशी निवेश बढ़ा है, जिससे देश में उत्पादन एवं रोजगार में वृद्धि हुई है।

प्र. 2. भारत में बहुराष्ट्रीय कम्पनियां की भूमिका को स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- (1) विदेशी निवेश में वृद्धि - इससे उद्योगों की स्थापना हुई जिससे निवेश बढ़ा।

(2) नवीन तकनीक का आगमन - ये कम्पनियां नवीन तकनीकों का प्रयोग करती है, जिससे श्रम व समय दोनों की बचत होती है।

(3) रोजगार में वृद्धि - नये उद्योगों की स्थापना से युवाओं को रोजगार के नवीन अवसर मिलते है।

प्र. 3. वैश्वीकरण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका को बताइये-

उत्तर- (1) दूरसंचार सुविधाएं - टेलीफोन, मोबाइल, फैक्स आदि का विश्वभर में एक-दूसरे से सम्पर्क करने, सूचनाओं को तत्काल प्राप्त करने एवं संवाद करने में प्रयोग किया जाता है।

(2) कम्प्यूटरों ने भी वैश्वीकरण को गति प्रदान की है। जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटरों का प्रवेश हो गया है।

(3) इन्टसेट से स्थितियां ही बिल्कुल बदल गई है। सम्पूर्ण विश्व की जानकारी घर बैठे प्राप्त कर सकते है।

❖❖❖

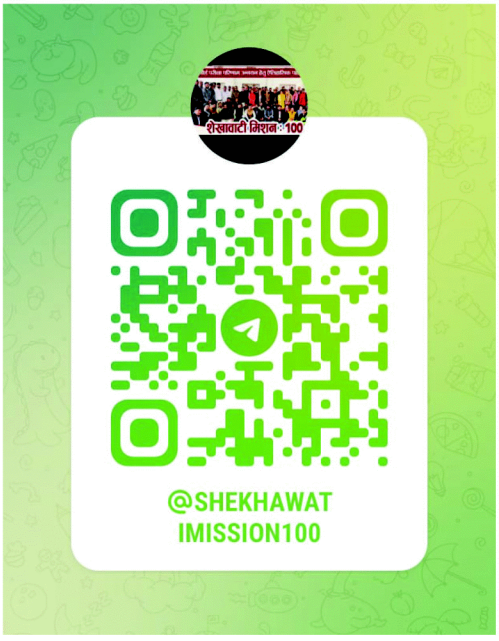

शेखावाटी मिशन 100 की कक्षा 10 एवं 12 के विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें।

Created by Universal Document Converter

अध्याय 22

उपभोक्ता अधिकार

कुल अंक - 2 (लघुत्तरात्मक)

लघुत्तरात्मक प्रश्न-

प्र. 1. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उत्तर- (1) उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं कर्त्तव्यों की जानकारी हेतु।

(2) उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण करने के लिए।

(3) उत्पादकों को उनकी गुणवत्ता युक्त वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु।

(4) उत्पादकों व विक्रेताओं द्वारा खाद्य पदार्थों एवं खाद्य तेल में मिलावट रोकने हेतु।

(5) व्यापारियों द्वारा की जाने वाली जमाखोरी व कालाबाजारी को रोकने हेतु।

प्र. 2. बाजार में उपभोक्ता शोषण के तीन प्रकार बताइए?

उत्तर- (1) दुकानदारों द्वारा उपभोक्ता से अधिक कीमत वसूल करना।

(2) उपभोक्ता को कम वजन देना। अर्थात् तौल में कम देना।

(3) उपभोक्ताओं को घटिया या पुरानी वस्तु देना।

प्र. 3. उपभोक्तों को प्राप्त कोई दो अधिकारों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर- (1) सूचना पाने का अधिकार - उपभोक्ता उत्पाद की किस्म, मात्रा, कीमत, उत्पादन, तिथि इत्यादि की जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

(2) क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार - प्रत्येक उपभोक्ता को सुने जाने का अधिकार प्राप्त है ताकि वे उत्पादकों से क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सके।

प्र. 4. एक उपभोक्ता को बाजार से वस्तु खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कोई दो बताइए।

उत्तर- (1) वस्तु अथवा सेवा की कीमत, उत्पादन की तिथि, समाप्ति तिथि, कम्पनी का नाम-पता, ट्रेडमार्क आदि के सम्बन्ध में पूरी जानकारी लेनी चाहिए।

(2) उपभोक्ता को वस्तु खरीदने पर विक्रेता से उसका बिल अवश्य लेना चाहिए।

प्र. 5. उपभोक्ता को शोषण से बचाने के उपाय बताइए?

उत्तर- (1) उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

(2) उपभोक्ता संगठनों द्वारा लोगों को जागरूक बनाया जाए।

(3) उपभोक्ता अधिनियमों का सही क्रियान्वयन किया जाए।

प्र. 6. उपभोक्ता संरक्षण परिषद के दो कार्य बताइए?

उत्तर- (2) यह परिषद उपभोक्ताओं के संरक्षण का कार्य करती है।

(2) यह उपभोक्ताओं को मार्गदर्शन करती है कि वे कैसे उपभोक्ता अदालत में मुकदमा दर्ज कराए।

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

मॉडल पेपर - प्रथम

माध्यमिक परीक्षा -2024

विषय : सामाजिक विज्ञान

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट पूर्णांक : 80

खण्ड (अ)

प्र. 1. निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) दाण्डी मार्च कब शुरू की गयी?

(अ) 12 जनवरी, 1930 (ब) 25 जून, 1931

(स) 12 मार्च, 1930 (द) 12 जुलाई, 1930

(ii) विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का सबसे बुरा असर पड़ा-

(अ) जापान (ब) भारत

(स) ब्रिटेन (द) अमेरिका

(iii) भारत में प्रथम कपड़ा मिल कहाँ स्थापित हुई?

(अ) कलकत्ता (ब) बम्बई

(स) कानपुर (द) अहमदाबाद

(iv) विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है-

(अ) उदारीकरण (ब) निजीकरण

(स) राष्ट्रीयकरण (द) वैश्वीकरण

(v) भारत में दलीय व्यवस्था है-

(अ) बहुदलीय (ब) एक दलीय

(स) गठबंधन (द) दो दलीय

(vi) निम्न में जो अनोपचारिक उधारदाता नहीं है, वह है-

(अ) साहूकार (ब) सहकारी समिति

(स) व्यापारी (द) रिश्तेदार

(vii) स.घ.उ. का पूरा नाम है-

(अ) शुद्ध घरेलू उत्पाद (ब) सकल घरेलू उत्पाद

(स) सम्पूर्ण घरेलू उत्पाद (द) उपर्युक्त सभी

(viii) सामाजिक विभाजन अधिकाशतः आधारित होता है-

(अ) मृत्यु पर (ब) वंश पर

(स) परिवार पर (द) जन्म पर

(ix) निम्न में से कौनसा विषय समवर्ती सूची में शामिल है?

(अ) पुलिस (ब) रक्षा

(स) शिक्षा (द) कृषि

(x) यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

(अ) लंदन (ब) पेरिस

(स) ब्रुसेल्स (द) जिनेवा

(xi) निम्न में से कौनसा परिवहन साधन भारत में प्रमुख साधन है?

(अ) पाइपलाइन (ब) सड़क परिवहन

(स) रेल परिवहन (द) वायु परिवहन

(xii) भारत का सबसे प्राचीन व प्रमुख उद्योग है?

(अ) लोहा तथा इस्पात उद्योग

(ब) जूट उद्योग

(स) सूती वस्त्र उद्योग

(द) कागज उद्योग

(xiii) बक्सा टाईगर रिजर्व किस खनिज के खनन से खतरे में है?

(अ) ताँबा (ब) डोलोमाइट

(स) अभ्रक (द) सोना

(xiv) आयु के आधार पर पुराना जलोढ़ को किस नाम से

Created by Universal Document Converter

जाना जाता है?

(अ) बांगर (ब) खादर

(स) तराई (द) भाबर

(xv) राजाराम मोहन राय के समाचार पत्र का नाम था।

(अ) केसरी (ब) मराठा

(स) संवादकौमुदी (द) गुलाम गिरी

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(प्रत्येक प्रश्न का अंक-1)

(i) HDI का अर्थ है .....।

(ii) ऐतिहासिक आख्यान ..... कहलाता है।

(iii) लोकतंत्र में शासन की अन्तिम शक्ति ..... के हाथों में होती है।

(iv) भारतीय चुनाव आयोग ..... का पंजीकरण करता है।

(v) ..... पुराना तथा विश्वस्त कर्मचारी होता था।

(vi) बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किये गये निवेश को ..... निवेश कहते है।

(vii) ..... एक प्राकृतिक उर्वरक है।

प्रश्न 3. अतिलघुत्तरात्मक (प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए) : (प्रत्येक प्रश्न का अंक-1)

(i) गुमाश्ता कौन थे?

(ii) महिलाओं को घरेलू उत्पीड़न से बचाने के लिए कोई एक तरीका सुझाइए।

(iii) लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है?

(iv) फ्लाई शटल के दो लाभ लिखिए।

(v) संगठित क्षेत्र से क्या तात्पर्य है?

(vi) वैश्वीकरण किसे कहते है?

(vii) राजनीतिक दल के प्रमुख अंग कौन-कौन से है?

(viii) किस क्षेत्र के उत्पादक कच्चे माल को परिष्कृत वस्तुओं में परिवर्तित करते है?

(ix) जनजाति या आदिवासी क्षेत्रों में वनों की कटाई या निम्नीकरण का प्रमुख कारण लिखिए।

(x) बेगार से आप क्या समझते है?

खण्ड (ब)

लघुत्तरात्मक प्रश्न : प्रश्न संख्या 04 से 15 के उत्तर लिखिए। (शब्द सीमा-50 शब्द) (प्रत्येक प्रश्न का अंक-2)

प्रश्न 4. विकास के लिए धारणीयता (सतत पोषणीय) महत्वपूर्ण क्यों है स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. लोकतंत्र एक जवाबदेह, उत्तरदायी और वैद्य सरकार का निर्माण कैसे करता है?

प्रश्न 6. भारत में राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर एवं क्षेत्रीय दल की मान्यता के क्या मापदण्ड है?

प्रश्न 7. भारतीय राजनीति में जातिवाद की समस्या का उल्लेख करें।

प्रश्न 8. जल दुर्बलता क्या है? इसके मुख्य कारण लिखिए।

प्रश्न 9. चौरी-चौरा काण्ड पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 10. मृदा अपरदन को रोकने के उपाय या मृदा संरक्षण को समझाइए।

प्रश्न 11. छापेखाने का धार्मिक सुधार पर प्रभाव पड़ा कैसे?

प्रश्न 12. व्यापार संतुलन से आप क्या समझते है?

प्रश्न 13. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूप कौन से है?

प्रश्न 14. वैश्वीकरण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका को बताइये।

प्रश्न 15. उपभोक्ता संरक्षण परिषद के दो कार्य बताइए?

खण्ड (स) (प्रत्येक प्रश्न का अंक-3)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : प्रश्न सं.16 से 19 के उत्तर लिखिए। (शब्द सीमा 100 शब्द)

Created by Universal Document Converter

प्रश्न 16. सत्ता के विकेन्द्रीकरण से क्या अभिप्राय है? विकेन्द्रीकरण के पीछे बुनियादी सोच क्या है?

अथवा

शासन के संघीय और एकात्मक स्वरूपों में क्या-क्या मुख्य अन्तर है। उदाहरण से स्पष्ट करें।

प्रश्न 17. संगठित व असंगठित क्षेत्रक में अन्तर स्पष्ट करें।

अथवा

अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रकों का संक्षिप्त वर्णन करते हुए सोदाहरण बताइए कि तृतीयक क्षेत्रक अन्य क्षेत्रों से भिन्न कैसे है?

प्रश्न 18. भारतीय कृषि की स्थिति में सुधार के लिए सरकार द्वारा लाए गये संस्थागत और तकनीकी सुधारों के बारे में बताएं।

अथवा

भारत की दो प्रमुख रेशेदार फसलों कपास तथा जूट की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 19. 1929 की आर्थिक मंदी के कारणों की व्याख्या करें।

अथवा

ब्रेटनवुड की जुड़वां संतान के बारे में आप क्या समझते है?

खण्ड (द) (प्रत्येक प्रश्न का अंक-4)

निबन्धात्मक प्रश्न : प्रश्न सं. 20 व 21 के उत्तर लिखिए। (शब्द सीमा 250 शब्द)

प्रश्न 20. रूमानीवाद से आप क्या समझते है? राष्ट्रीयता के विकास में योगदान लिखिए।

अथवा

19वीं सदी में राष्ट्रों का विकास किस आधार पर हुआ? समझाइए।

प्रश्न 21. भारत की अर्थव्यवस्था में बैंक किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वयं सहायता समूह क्या है? स्वयं सहायता समूहों की कार्यविधि को विस्तार से बताइए।

प्रश्न 22. प्रश्न का उत्तर दिये गये मानचित्र में दीजिए -

(अंक-4)

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित आण्विक ऊर्जा संयंत्रों को दर्शाइए।

(1) नरोरा (2) तलचर

(3) कलपक्कम (4) रावत भाटा

अथवा

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित लोहा इस्पात संयंत्रों को दर्शाइये।

(1) राउरकेला (2) बोकारो

(3) भिलाई (4) सेलम

❖❖❖

Created by Universal Document Converter

मॉडल पेपर - द्वितीय

माध्यमिक परीक्षा -2024

विषय : सामाजिक विज्ञान

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट पूर्णांक : 80

खण्ड (अ)

बहुविकल्पी प्रश्न - (प्रत्येक प्रश्न का अंक-1)

प्र. 1. निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) हिन्द स्वराज पुस्तक किसने लिखी?

(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) महात्मा गाँधी

(स) सी.आर. दास (द) जिन्ना

(ii) भारत में से ले जाया गया अनुबंधित श्रमिक क्या कहलाता था?

(अ) दश श्रमिक (ब) फटफटिया

(स) उपनिवेश श्रमिक (द) गिरमिटिया

(iii) बुनकरों पर निगरानी करने वाले वेतन भोगी कर्मचारी थे।

(अ) ऐजेन्ट (ब) राजस्व अधिकारी

(स) गुमारता (द) आमिल

(iv) आधुनिक छापेखाने का आविष्कार किसने किया?

(अ) मार्टिन लुथर (ब) गुटेनबर्ग

(स) कोलम्बस (द) दिदरो

(v) 'रेगर' मृदा किस मृदा को कहा जाता है?

(अ) काली मृदा (ब) लाल मृदा

(स) लेटेराइट मृदा (द) पठारी मृदा

(vi) भारत में विश्व की कितनी प्रतिशत जैव उपजातियों की संख्या है?

(अ) 6 प्रतिशत (ब) 7 प्रतिशत

(स) 8 प्रतिशत (द) 9 प्रतिशत

(vii) विनिर्माण उद्योग कौनसे क्षेत्र की क्रिया है?

(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक

(स) तृतीयक (द) चतुर्थक

(viii) भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पतन है?

(अ) पारादीप (ब) विशाखापट्टनम

(स) चेन्नई (द) कांडला

(ix) श्रीलंका को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

(अ) 1947 में (ब) 1948 में

(स) 1950 में (द) 1956 में

(x) केन्द्र व राज्य के मध्य विधायी अधिकारें को कितने हिस्से में बांटा गया है।

(अ) दो (ब) तीन

(स) चार (द) पाँच

(xi) स्थानीय सरकारों में (पंचायती राज) में महिलाओं के लिए कितने पद आरक्षित किये गये है?

(अ) एक-चौथाई (ब) एक-तिहाई

(स) आधे (द) दो-तिहाई

(xii) निम्न में से जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है-

(अ) राष्ट्रपति (ब) मुख्यमंत्री

(स) सरपंच (द) राजनीतिक दल

(xiii) तृतीयक क्षेत्रक को अन्य नाम से जाना जाता है।

(अ) कृषि एवं सहायक क्षेत्रक

(ब) औद्योगिक क्षेत्रक

(स) सेवा क्षेत्रक

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Created by Universal Document Converter

(xiv) वैश्वीकरण से सर्वाधिक लाभान्वित हुए है।

(अ) ग्रामीण मजदूर (ब) शहरी शिक्षित व्यक्ति

(स) धनी वर्ग के उपभोक्ता

(द) उपर्युक्त सभी

(xv) निम्नलिखित में से कौन-सी संस्था ऋणों के औपचारिक स्त्रोतों की कार्यप्रणाली पर नजर रखती है।

(अ) भारतीय स्टेट बैंक (ब) सैंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया

(स) भारतीय रिजर्व बैंक (द) ग्रामीण बैंक

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(प्रत्येक प्रश्न का अंक-1)

(i) प्रथम लौहा इस्पात, संयंत्र ..... में स्थापित हुआ।

(ii) रोमन चर्च ने धर्म विरोधी विचार दबाने हेतु ..... की स्थापना की।

(iii) वर्षा जल को राजस्थान में ..... भी कहा जाता है।

(iv) लोकतांत्रिक व्यवस्था ..... समानता पर आधारित होती है।

(v) भारत में राष्ट्रीय आय की गणना का कार्य ..... द्वारा किया जाता है।

(vi) परिसम्पत्तियों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा ..... कहलाती है।

(vii) लोकतंत्र में ..... का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है।

प्रश्न 3. अतिलघुत्तरात्मक (प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए) : (प्रत्येक प्रश्न का अंक-1)

(i) असहयोग आन्दोलन का प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

(ii) स्टेपलर्स का अर्थ लिखिए।

(iii) सर्वप्रथम किसने भाप के इंजन का पेंटेट करवाया?

(iv) IUCN का शब्द विस्तार कीजिए।

(v) सर्वप्रथम नारीवादी आंदोलन की शुरूआत किस देश से हुई थी?

(vi) किस रेशे को गोल्डन फाइबर कहा जाता है?

(vii) सत्ता का क्षैतिज वितरण किसे कहते हैं?

(viii) राजनीतिक दल के कोई दो कार्य लिखिए।

(ix) मनरेगा का पूरा नाम लिखिए।

(x) भारत में कार्यरत दो बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के नाम बताइये?

खण्ड (ब)

लघुत्तरात्मक प्रश्न : प्रश्न संख्या 04 से 15 के उत्तर लिखिए। (शब्द सीमा-50 शब्द) (प्रत्येक प्रश्न का अंक-2)

प्रश्न 4. सड़क परिवहन के चार प्रमुख महत्व लिखिए।

प्रश्न 5. 'भारत में जल संकटग्रस्त संसाधन है' कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न 6. मुद्रण क्रान्ति से आप क्या समझते है?

प्रश्न 7. संसाधनों के अत्यधिक दोहन से होने वाली समस्याएँ स्पष्ट करें।

प्रश्न 8. संसाधनों के अत्यधिक दोहन से होने वाली समस्याएँ स्पष्ट करें।

प्रश्न 9. भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता के तीन लक्षणों का उल्लेख करें।

प्रश्न 10. पूना पैक्ट पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 11. भारत में वैश्वीकरण के किन्ही दो प्रभावों को समझाइए।

प्रश्न 12. एक उपभोक्ता को बाजार से वस्तु खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कोई दो बताइए।

प्रश्न 13. मानव विकास सूचकांक का महत्व बताइए।

प्रश्न 14. 'लोकतंत्र असफल रहा' कोई चार नकारात्मक परिणाम लिखिए।

प्रश्न 15. राजनीतिक दल कानून निर्माण में किस प्रकार निर्णायक भूमिका निभाते है?

Created by Universal Document Converter

खण्ड (स) (प्रत्येक प्रश्न का अंक-3)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : प्रश्न सं.16 से 19 के उत्तर लिखिए। (शब्द सीमा 100 शब्द)

प्रश्न 16. ब्रेटन वुड्स समझौते का क्या अर्थ? समझाइए।

अथवा

भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामन्दी का प्रभाव समझाइए।

प्रश्न 17. भारत की दो रोपण/पेय फसलों चाय तथा कॉफी की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

गहन जीविका कृषि क्या है? इस कृषि की तीन विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 18. अर्थव्यवस्था का तृतीयक क्षैत्रक अन्य क्षेत्रों से भिन्न कैसे है? समझाइए।

अथवा

सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र में कोई तीन अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 19. भारतीय संविधान में केन्द्र राज्य सरकारों के मध्य विधायी अधिकारों को कितने भागों में बाँटा गया है? विवरण दीजिए।

अथवा

भारत में केन्द्र राज्यों के सम्बन्धों में आये बदलावों के मध्येनजर संघीय व्यवस्था में सत्ता की साझेदारी आज ज्यादा प्रभावी है। स्पष्ट करें।

खण्ड (द) (प्रत्येक प्रश्न का अंक-4)

निबन्धात्मक प्रश्न : प्रश्न सं. 20 व 21 के उत्तर लिखिए। (शब्द सीमा 250 शब्द)

प्रश्न 20. जर्मनी के एकीकरण का वर्णन कीजिए।

अथवा

ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों के राष्ट्रवाद का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

प्रश्न 21. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए।

(अ) वस्तु विनिमय के दोष

(ब) मुद्रा के कार्य

अथवा

विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 22. प्रश्न का उत्तर दिये गये मानचित्र में दीजिए -

(अंक-4)

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित परपरागत ऊर्जा स्त्रोत अंकित कीजिए।

(1) नेवेली (2) सिंगरौली

(3) झरिया (4) रानीगंज

अथवा

दिये गये भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित समुद्री पत्तन अंकित कीजिए।

(1) पारादीप (2) तूतीकोरिन

(3) कांडला (4) हल्दिया

❖❖❖

Created by Universal Document Converter